

. त्यांपंडांकः विवासी

क्षित्रक देशाहर विदयम क्षृक शह

niced faules print

THE .

WANTS MEN

কলিকাড

क्रिक्रकारकांकर मध्य मुक्ति करेत ।

可有1年12 3964 1

সূচীপত্র।

f	र्घ के						ı	প3	**
ভাগ	नाडांबर र	## <u> </u>	æ	ø	æ	1	ŧ	. 6	3
44	47.0 m. 2 m	#1 ·	٠.	43	8	Ф	, è	€.	\$
fi	मत्त्रकी दन		n ·	٥	•	>	Ü	•	ž
61	र्डिहर रम		ø	•	di .	. 6	ø	t	4
**	शास्त्र है।		ta m	450	j 6	n.	t.	4.	. 6
٠,	भूब शब ।	4	e	¢.	æ.	. ,	ů	ø.	į.
25	चित्र कर्ड्ड	ब ्ध त् प्	र्मम ा	1 2	o	5	• •	ίρ	8
e in	大学 年後年	निरदंत य	তি।	4	٥	٠. (13	ò	. &
4 5	नित्र के छंक			1 4 4	जीनीर		10	6	فإلى
n 1	वरकत् वसु						0	.n	S.
**	भागी हाती						O TY	শেষ	,
	間収 :	ø	4.	4 .	٠	1\$	F	•	<u>\$</u>
* \$	ममद्भव का	उक्षे ।	ú	ø	9	ø	ю	at .	1
d,	PRING S	-	ø	ø	•3	**	ø	•	9
a z	ZWATERY!	द वनगर	याभित	夏爾斯	ואו מו	7º 6	· And And	গ্ৰ-	,
		非洲 耳状腺						Ð	1 -
si, 64	Aşteş v			``		ø	e	*	Þ
**	Apron t					*	ø	•0 ;	>
-	কুৰিকার ব					3 43 1		.41	30
44	क्षिमजीह छ								33
*	a keller			0	*	ø		ø	32
ia :	याभूकी अक			विश्वा	তীৰ্ণৰ	fair	(এই:	1 :	3.9
2	Franks #	मापुतीत	事可有	ÉM1	ø	•	9	¢.	۱ <u>8</u>
	मापूरी ह	न खे राव	मध्य	উন্মন্ত	1.	₽.	ø	0	وق
	मनन कर्त्रक	जि द्व	स्थे।	6	, o	ø	6	4 ,	- 59
	ममाम्ब क्रि	ड जित्यन	Equa	4	सु हो देश	स् अशा	ৰ গদ	# 3/3	56.
	गांभूती कर्जुः	ক কালীৰ	7	6 W	5	· · · · · ·	* •	ò	
	•	▼	A		٠, , "	745			

পূচাপত্ত

						পত্ৰা	本!
विश्वकी	क र सर्वी	i o	n	c		0	39
अब मापुरीत शकि गामीर	~~ > 4 = 1		•	•	•	9	\$
अप बाषुडात नाक का नाहर अप बमन् कर्जुक मुद्रामन व	ગાલુયામાન	. ,	o	ø			. 1
" मर्बद्ध के छिलान वर्तन !		صور مورکا در مارست		· **	21 TO 1	rì	
्र स्वतंत्र के जिल्लाम वर्गन । अस्य स्वाम स्वामिक वर्ग	वायरह प	भागा <u>र</u>	eneman engl	an enstê	ac vert	ri Ri	
						79	* 1
	state	St. N.	A 6	nen i yanagar sega	ਨ - ਵਿੱ ਛੇਟ ਵਿੱ ਹੋ	r F +	75, 9,
	~ ~ 17 18 10	7.0	A4 10 2	-25 A C 40		7 P	₹.₽
							,
मा करित विशेष	Man: 4	MI A C	AL AL	भू और ८	在 了新	: V	¥ a , ~
The same of the sa			N.P	ø	47	/ \$	ĺ
		₹.	ø	0	11	' ''a	•
" मामी कर्ज्य (वागीह ' " मापूर्वीह (चानीक च	1.41.77	, , ,		A ST	क्षा श्री (न	() A	
अपूर्वा स्ट्र	8,4	Ů.	Ö	13,	٠,	*	
श्र हानीत साखाय शाह	ही अबि	XX	क्याह	[T 1 2 3	唯實學	新 二級	
ा जानात चारकाच १५३ नामक ७ ६४१७०	n mile at 1	***	0	0	•	4	
	**	*	Ser .	•	1	-7	
প মাধুরীর বেদ। প মাধুরী কর্ত্তিক শিবে	er men 18 1	6 Z T	35 %	ű dz	器:	*	
क सिन क्षांत्य हो स्वीट	ti Var∀ orffalia	रार्थ म	W W [· #	# 1	**	
to talk the second				فريد	d		
" प्राप्ती कर्जुक । यह ह " चित पूर्ण क्लेश रेमन	ing was and a	rend till	**************************************	* 并变	V; #518	ή · · · ·	
ल चित्र पूर्व देण में स्थित	4141641		liakoi Ermeriisi	· 1841 第	. 在 滑草	有性	
" माध्रा टिवर ि दे	(430) 3 A.A	વ્યુ. અ.ક. હાલ્કી	7m. 12:167	· ************************************	P REF	٠,	
শ মাধুরী ভৈরবীর বা মাধুরীর রূপ স শুমদম কামসংগ পুঁথ	M.C. M.	ماسەدىچە ئەخەرچە	C TAN	· Brence	· Chie	1. S. S. M.	
A TOTAL OF THE PARTY OF THE PAR	A 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10	# 1 7 1 m			a(1 &	4	
		7 W 12 7 T	4 40 W I	या वह कर	M		
विकरण अगन	ध्री माणु	ही अर	Marit W	1	171	٠	
अ रेखवरीतक व्यक्ति अनुस्तानिक्षेत्र कडि	ন ভৈত্ৰ	रीय म	** **	मार्	I) ON	bel.	•
ক্ষু ক্ষু ক্ষু কার্য কার্যার প্র	TELES.		, •	· 📜 🙍	. 0	·)
William Charles and Charles	A. A. Ser. ander	'			1.		

ै निर्मणे ।		em 15	· ·		S.	1 1
অথ পৃত্তান্তে কালিকার স্বতি।		40	•	o 4	* *	
" मोधूती शृकात्स शृहर जाति।	हा मि	ममिनि वि	मही अप	করেপ	r 3	4
" মাধুরী স্থীসহ শিবপুঞ্জাছ						
मिलामा ० ०		0	Ð	6	0	.38
" मानुतीत अप कि आता च र	शाजित	· 唯字50	CH I	•	r;	وق
" মাণুৱী কাতৱা চইয়া বোলি				*,	ů	9
" मनन द्रमान छे । स्वानी अ मन्य	शहरी त	** *** **		£-	ů	35.
" মদন লাপুরীর রভিক্রীড়া।		¥fr	ii.ē	ŧ.	49	3
" अपन कर्तुक मार्थात्।	2 .	ñ	MF?	n	0	4
ं भारत सोष् त्री त्रमनात्स्व २०			ter for	** # **	(g	
क्रिकीडा। •	9	£3	9	•	•	80
						4 43
" समय मानुतीद कियान वि १८३				1	ጎ-	•
रीक क्रिक्र ग्राह्म।				*,	ń	83
" भाषुकी विभावीक विश्वाद भिव	1134	(下)	गान .मः	en!	0	89
'' सत्त रुठुंक अर्पुष्डत ।			4.5	5	2	ঐ
" দিশনী । ছতিকীড়া।			G	•	E4	88
" जभाव कोम्बर्स मंत्रियोक अ	উন্মা	धूतीत ।	HAR ?	(54.)	,	84
" मित्रिशुराज्य विवाह रामक्षम ।	1. ± 1. ± 1.	我满 配	भुद्धिक श	Type ;	**************************************	89
" गापुती क छेकापुती काछ।	भवार	r z 🐉	Mary !	n	7	89
" মলিস্ত প্রতিস্তার মিল					સ	86
ं ेनाइडी मिक्कि हास बहुशान	17 ·#1	以水桶 :	न जिल्हें	\$; .	۵	83
" मनग इतन जीर्थ याहिनां इ प					•	ti c
" यान निराद्वनकता साध्रीह					9	62
ं मानाटल माधुरीत शृटक शम	4 6	म्भसर	ह खम्बर	A ST	ata	
্যুজিকরশ। "				ä	9	' 3 ;
ं ार्वतीह स्वारम् मिना का	त्ता क	ब्राह्मय क	र किर राष्ट्र -	यिशः	0	4.
" रमन माधुतीक मितरम निका	# 6 -	11年戊毒	ोचन।	vo	.0	4
"াধুরীর নিশিতে ভীমা হৈ	अब्रवी	ब सार्थ	া গ্ৰামৰ	ণ্ড ন	वंश-	. :
त्रकत् वर्ज्त डेक्य पर	1 16	, 0	0	•	*	Ø,
ाष्ट्रीनकर्तुक ममनदक वृष	5 8 1	TAR	神に中	of i	Ö	4

নিৰ্মাণী। আমথ সদন বোলিতক উপজীবস্থাৰ লাজসভাৱ লাইয়া,যাল	পত্ৰাক ত
ে তদ্ধলি সগ্রাজনার ধেন ! ে ০ •	o g
" যোগিকে লইয়া রাজ্যভায় উপনীত ও রাজ্যভা বর্তন	t e.
্ ^প সভাপত্তিত কর্তৃক চোবের পরিচয়। 🧸 🧸	3
🌁 ভন্ধর ভূতনাথস্য চতুর্থে পুণ বিচার। 🕝 💠 💍	e 5
" रहानी के कि रहाक। १ १ १ १	• , 0
ी वमरखानरम बाजुनीय दित्य यञ्चनात आरक्षण। o	e 🐧
अ मापूरो करून काजी प्रांति। १ ० ० ०	<i>a</i> & (
ार्ट माधुतीह छादि राजी मनवा हर्षा काम्म 🙃 🕝	♦ ₫,
िभाग क्षा किराना विशेष के के त	e ×
Market Market and a comment of the c	۵ ن
🦥 तांको काहाभावत स्थानित्र निकट्डे विवयः। 💎	o &
^र अवस्थान्त्री १ दिनामा । । । । ।	• •
 শ্বনির বাসতর শহর। ০ ০ ০ 	æ ·
 भवनशाध्तीत श्रुमर्वाः । । । 	p 4 7
 अवसम्बद्धीय त्रिक्षण तिकृतिकृति । । । । । 	० ५६
⁴⁶ ताकाद निकाम अभटपड १५दि५४।० ० •०	2 0 33
 त्रिक्षण अस्माद्ध भूतिह अभूवि आर्थनः 	6 .
	क्रं ग
 मांधूबीत निकटले मनदस्त्र तिनाम आर्थनाः । 	4.1
🥰 धीमन्य स जेस्यापुरीत धारामात्राम दिवात रू अस्य बाह्र	•
👸 वीह सहित्र करबरण अस्त्रता 🔸 🦿 💌	" 4 1
र्ष ध्यममम क्षेत्रभाषुत्री नृक्षिविधेक्षरभ वाक्रम्भ । 🕠 🖟	4,5
🎮 खेममरमञ्जू अधिकीका ও भरमण्य याहेनाव शुनका 🙉 🔻	. iga
" महनमाध्रीत नाम्मकामध्य गमन ७ पूत्रामिनीह । यह	.
 सम्बम्भाष्ट्रीत छद्दन अभन्। ० ० ० ० ० 	, , >
् प्रमामभाष्त्री कर्ष्ट्रक लिएवड सर । 🔸 🔞 🔞 👵 🚜	,
্র সৈবকের শুরে শিব পুসর ব্রেম। 🧸 💌 🧸 🤊 💥 🗷	ئى ئ
्री महत माधुरी व्यवसात संक स्थातः। 🔸 💎 🕬 🗀 🔭	•
अमनमापुतीय वर्गारवाश्या । • • ०	1.4

यमन्याध्ती।

--

राजात्रशांक्य मृतना ह्या अर मामर १ १८कर । न स्वकाम खरतर जिल्हा खरत्र दक्ष्यानाम् १

गरनम त्रामान्।

गामिनो लेवसः जीन दोरः।

मरास्वरत्ते जिन्नात्तः दिव**्या**भ्यकः विकास स्वर्

अभारत केट्य केन्य, ६३ द्वाच मगुनव, क्रेमाव्या विक सम, मञ्जू पूर्व अधिकाल

ब्रामना र्जा १ः

সর্বতী বন্দৰ।

রাগিণী বাহার। তাল রূপক।

কি বিরাজে সরজবাসিনী। জ্ঞানাঞ্জনদাত্রী অজ্ঞান তমোনাশিনী॥ ব

্ত্তো মাক্রেষ্ট, ভূমি গোরুরগা, ক্ষমণ জ্ঞানদা রুপিনি। ক্ষমকোরভিত্ন,কুনতি দক্তন, উম্ভেত্ত, দ্বংগ্রেকাশিনী।

श्यात । न्य किया विश्व विश्व

टनिद्धा तमानः।

हाजिनी वालिया । कार व्याद्धा ।

করি হে কর বিশ্বাসন্ধান্ত ও জ্ঞান পুজান হীন স্থানি অভি চলালার ন

ে , প্রাই হর প্রকেক্টি, বাধ ক্ষেত্র পারিছ্যি, ভবভরুক্ষ কচরিত্র 😚 **উ**ষাচরণ পায় পার ৪

্ৰৰ্মচতু পদি কংন হ'ব নামে কাল হবে, আগগুৰুহ ৰিবল অবণে। কিবা সন্ধা আৰু, বপুৰেজনী বন্ধ, আছে অসিলা, ৰণে।। অন্ধা তেলাগোল, নাল আৰ্থ্য থান্ত, ইংল এক প্ৰিল ক নীলপদ, যে নিল সম্পদ, করেছে বিপদ দে দমন।। কি আদ আৰু বাজক্তি, বুখমুতি, গোডে পীডাদ্র। অন্তিশ ক্ষালাগিলে, ভাৰণণে গলে, ইতিহন। কালু বৈধু কলে গ্ৰাপ ধরে, শিক্ষে যৌর ভরুর বিকরে। শিরে শোঁতে টুড়া, ক্রেক্টাইনর ভার গলা কলধনি করে॥ হেরিলে উভয়, নাহি থাকে ভয়, তর্ণিসু হয় দেখালো। ও মুগ্য চরণ, জী ইমাচরণ, ক্লেয়ে ধারণ, ফালাকালে এতেত্ব ভূমিকা ও আল্ল প্রিচল্ল।

भगाति। मनत ६१भ मरना **स्र**यनना स्रम्बर्टभा उत्परनाटक জ भाषा ४ छ सरकील । एका व्यक्तिक्ति भाषा १००० ४ अस व्यविष्ट एका विचारिक बताय है। अधायका जिल्हा है। 🛒 🖰 एक । जाति काकि किसाय शुरान अक्र रहम ।। उमाह अमेद र ने मान्य देशक भीता प्रशासकार स्थापन कर अटक्स अवस्था १८३ अनु छ विश्लीमा उत्ता वि**र्व**ी क्षिकीय । पुरा पार्च अन तक लगाया है (नवा क्षेत्र लगायाक्ष्य है জীপ্রীশতন্ত্র। ক্ষাপা কার্য-তেত্রজা ভ্রম ইন্দ্র বিশ্ব 🖽 ে 👉 জয়র্বা শার্ম पुत्र मामृत्या व अलि । । का ११,८सप्रहा १ ५५१ । कि निर्मा के प्रा শুল্য ওচনবাস ক্রমানের সভাবনরালক আন কাছে ভামদার ने अध्यादियां शास्त्र कृष्टिक करना की शासन भुक्त जाया कर .আবৰ্ত্ত কুলুগুকুক্তজ্ঞানী দিজকুলেতে উদ্ভব : 🖖 বি স্থাক পরিষ मणा मृमभ्रेत । मभावा के सिर्वाला नुखार हाला 💎 🗸 🧸 मुन्तित उरल दिन प्रमा। उदा मुँडे देशा केमोरी मुलति हो नागी अदलस्म वि व्यवदान भारतक मुकाब (1 अव। अक रह दिल्ल खिके। वर्ष । मञ्ज व्यव भागक क्रियोड ७३९ व विदुर्त्त अर्थन अर्थन अर्थन वर वर्षक्रमा**पृती अ**र . अति मुद्दां हुन । •

東州出場。

有情啊。 「我们要」 电流 如 5

रहेन मन मिन क्छ, मिरमणुष्ठ कावत नाइक ाक उत्तराध विशिध मिनेशिश । श्रीकार्य रेनेलाए किने, श्रीका कि किने मिने, हत्रम चर्डे क्षेत्रित, क्षेत्रित मिनेक्युष्ठ ॥ क्षेत्रित मिने, हत्रम चर्डे क्षेत्रित, क्षेत्रित मिनेक्युष्ठ ॥ क्षेत्रित मिनेक्या स्कलेटि क्षेत्रित, क्षेत्रित क्षेत्रित हो। क्षेत्र स्वाधिकार्य केश्लिड, किर्य मना मन्त्रित क्षित्र हो। महिना कि मिलाइ, कारूज क्यानिक केर्ड्डिक खन्म मिलाखादिन नमीहिन महिना कि मिलाइ, कारूज क्यानिमां । स्टब्ड कीर्डल, खाकारक खन्म, किवि ध्विल्लाड ।। मधी कम छादाद, भिव भिवा विस्टाइ, क्यान खन्म भिवाद । स्टब्ड कीर्डल, ब्यान खन्म भावक, दक्य-क्यान विवाद । स्टब्ड कीर्डल, ब्यान खन्म भावक, दक्य-क्यान विवाद । स्टब्ड कार्ड कार

ष्यप्रिय क्रिया सामात अर्थाका व क्षेत्रकाल

नमामाज्या । व्हान कहा कार्याक्षण कृष्ट्रा स्वाक्षण, स्वाक्षण स्वा

क्या। ६४ : इ.स. जटातृत्र कुनेश्च कारण निवृत्त नच जनतती देश जास के के निव्द : १) १४१ की शतकार जान उठके । मृत्येनाट करि-कुल्लक १४४ प्राचार्थ १२ श्रांकाश्च नद्रश्चित्रां के के रव। चेनाहरूने कि वरकार्य : इरेंद्र कि वस्ति । जरना क्ट्रेस खाद के विवास स्वास्ति

राशियो निष्

कारुए हार पाल, क मान कवी हम छात्र, महेरन महसात । कार हत निम्न सरन, क जान निकटन, बीटन हमस्त्र जान हम द्रम । जी नेप मना कानावि, महमर जनवाबि, एक

HEARING

इक कड़के निर्देश शक्ति।

স্থা কলিতক্ষা নমতে গতিত্ব মুগাংকশেখর। জনন ক্ষাক কুলাক কিছা । প্রান্ত নজে যে তথার নিবার। হল ন সভার কাজর প্রকাশ ও এ নোধে স্বলাপ স্থান্থ নহ্তর। ভল্পন পুজন যাজন নহর। প্রভোত্তাস্ক পান্ত স্কাণ বত প্রত্যাস্থাক্ত সম্রতি দং ক্রীপ্রত্যা বিরীশ গোরীশ শ্রিথ আন্তর ইন্সের্বে ১৯১৭ রক্ষাকর।

महत्त्व मृष्ठीत शहर धना स गर्ड वर्षम

कर्म का वार्ग बरन करना मानि कारण करा किएन विद्या करन करम का उक्ता। चंडांन इटेंटि खन करना तठ। कथ्य करन करम कारण इसका मिन्नुशा कि आनि कथारत सांत्र कि करड़न कानी। कृष्णाम इस्तार्ग क्रिनेश करनी। अल्डेंट्रें इस्ता मानी एम्य किएमन। बाना इस्तार्ग कि इंग्ड्रेंटि जन्माहेन स्वरा। नम्ज दमस्न स्वार्थ केडिएड्रेंड्र मीन। क्रिकेश्चरिक ज्ञादिन्य कर स्वरा द्वानीत ॥ मिदा निम्न क्रिके चंडींड्र खांड्री क्रिके ज्ञादिन्य स्वरंह स्ट्रा नाम निद्या क्रिके बाहर स्ट्रिक क्रिके क्रिकेट्रेंड्रिक स्वरंह स्ट्रिका

THE PARTY

रामत कार्क । इतिएउ निवंक बाव नाहि श्रेष यह । त्या कि कि त्यां किवन ज्यान ॥ राष्ट्र मास्त कार्क मानी मध्य पृक्ति । राष्ट्र बाता नम् के ज्ञानित्ह बानरात । सनारम मंगठ ज्ञाक कारत माहित होता तमा के ज्ञानित्ह बानरात । सनारम मंगठ ज्ञाक कारत माहित होता त्यांकी नाहीत ज्ञान का के हिंदा गर्किनी ।

मानी अभीत गर्जकथा तांकात विकास कावांत्र

S #35#3 W# |

सब्दम्ड स्टाइक्च । जीवनी विश्वित । जान साम्।।

कि बाबन हरता जान बन्न रहित सहस्य। अपने नित्र कि इरत क्षांबाद क्षित्रा क्रिक्त बर्ग के कि इरत क्षांबाद क्षित्रा क्रिक्त बर्ग क

नवारी बाक्यम में बंदरत करिया महानामी अप्रवास समि ब्रह्म कटड खबानम । अम्मिन्क बंटड अन सिनिया प्रेम । शक्ति निर्दा बाम ब्राचित असम्ब्रीय पूर्शी पित्रम् मान पिता उछ थन। कारम् उटा विक क्य द्राव्याक सम्पर्ते ।। भाज वाजि वक्क विका रेहन देनभूना (कुछ क्लिक शास्त्र सबा करत तब भूगा। महिल्ला नदा यह मान धार्मिक दक्टक अमन नमी धानम अधिकता नश्लदक्ष महितिह तर । मर्गा भाग्या देशकार मृत्य कारणांच दरमन ॥ जन्दर हरणां १० क्षत्र रेवर्त रवका के कि वर्ग अभिवास था**डि अ**रण अस्। अदिवस्**का**हा **छत्र कडि** शर्भ मुद्रापन नेब्ह्यपन भः राज्य प्राचन । जासाद वर्षिजा नाम मुत्री मुब्दी। रेमस्यम् पर्केटन रमच अस्ता गंकरदी । अन्यता निकास करेग अमरिका किन् **अफ़िड क्रमा** क[्]रतः १(रेस) । क्**रमक** कारिक सर प्रदेश क्षणांका राजम रहेले हुन्हें जन्मा एक । पूर्णांका चटत्राक् अल भूनां भूते । त्यकः इटन नाव भाषा हो निन मां भूती ॥ सूक महिक :नम्हा क्षम रहित्य। मम्स्वामी शहन (काहिः केनिङ्) श्रृतिर इमहैं इहेर कामी कहें निकलन। भारतिश्रक अहे नेकाल खे किंत्रभगों केन्य्र अब विदिक्ष केमां भ्या वर्ष । भारत करन असम् की क्षा वा वार्य में

यमस्मत जीवंग्रंड!।

भवात। मिल्रिक तथा मह कहिला महत्व प्रशास निश्चा वर व्यक्ति प्रशास कर कार श्राम कार्या गार्या विश्वा वर वाक ज्यात महत्वात ॥ (सारम शास स्थात भागा वर्षा १००० भात क्रवाक ज्येत भाव १८४ मा समाह । इक विष ६८ मया स्थान स्था विश्व समार श्राम स्थाद स्थाप ॥ क्रकेटिस वस् वीर्थ भरी व्यक्त स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप । अतिकाम मृत्य क्रिकेट स्थाप स्थाप क्रिकेट स्थाप स्थाप क्रिकेट स्थाप स्था

महमगापूरी।

্ ব্ৰহ্মানিষ্ধে দদনবোগির ব্ৰহ্মনীলা প্ৰবণ ও এতাগ্ৰ-তোক্ত দশমসন্ধান্তৰ্গত প্ৰিকৃষ্ণনীলা

समान १

शांकित क्रिकिंग जान क्रिकां।

" **एकिएयोग इ**दि कटन किरन देश खब्दम । त्याची त्याची-**त्यांन मञ्ज** क खाना मञ्जादमान **क्ट**म ॥ ;

ভ क्ति मारे कर कथा, के बालमा अधिकित के, फक्त हरत हरत मुक्त, केंग ताथ धरमा।

विश्वनिक्तिले ने नार का का वाली, इटब खि मरनारवाती, यार विश्व रीशाद रहानील ने संदर्भ हे उस्त निन, खामि कि को अविनि विश्व माचि खर कर के राज्य है जिस्स का निन के स्वाप करि ने विश्व का का निव के कर के राज्य है का का तीन का का निव के का निव

लेवाहा भृतिकार काम काम महाना का का रेमाही कर कि इति व्यवधीर्व । सामक्षाचि देशिकी क्षा करणा महास वि कि इति व्यवधीर्व । सामक्षाचि देशिकी क्षा करणा महास वि किवा तम स्वाद साम का अधि वा स्थाप कारण महास कार्यन कर किवा नाम स्वाद मुख्य । स्वाद का किवा और वर्ष का स्वाद का किवा नाम की मुख्य । स्वाद का किवा और वर्ष का

हारिया नम्दर । नरम्ब निम्नी कार्यन मान्यक परन ॥ रेतनकीत रित गुठा धनि व्यक्ति करेंगे वाका पन कर बीक नीरबाली १९म ॥ मर हातिनीय पुर हात अक लाग दुकि । कि नविवि स्कात वक्त क दीलं द (अ कुलिया दिल्लीय योगर है नह ये अपन मार्ग मन्त्र महेन क्षांत्र महाकटब्र सम्बन्ध अर्थाप श्रीकृतयामी कवित्रा टाटल । खड़ा दुर्ख मानक भाव सम्बद्धने ॥ क्रम्बीका, प्रक्रिकाबाटकट करिनाई । वर्ष to the contractal coals all bears are the call अपन्यक्षात्र । चित्रवि मेर्**डमकाप्र मेर्डस**व**डर**व । कारका ८० कारक काल h বলোম্ভিলাম্বাম্ভি কে জন কাৰ্যকাল-পুনালি মুন্দ্র হৈল খোল ना नकदंश । क्यां भवा भवा नरकाण कराह रवाला सन । एक वियोजन विभि कडक्स **क**रमयु: प्रतिकांड लिन गटन क लिन लक्ष्य । १८७ गोधः शिक्ष (ME मिनानेकाम ॥ बानन देशहर कुछ कि देशन विव कार्य साम स्थान मूछ कुट्ये त्या । दितिकि रामत नित समन भाव । भारते कुत्र महत्र नोटह बर्राक्ष ज्यान करने पुरुष केरिया है सा-म करन । अकृत्व भागम तमन लेक दिन प्रदेश ।।

विकार कार्यकर्त्य । शामीनीना ।-सामिन श्रीहा स्मित्रकर्ता

स्वासक्त स्वादक स्व

नामका नुगानुह, उत्सद्धाय नृत कृत हैंगा ना

> कृष्टिकात कर्तना करेंद्र करियों की छ के । श्रीकृष्टिका

विन रुप्त प्रति । स्वाम प्रति नाम प्रति । प्रति एवं प्रति । प्रति एवं प्रति । प्रति ।

কো। নতি করে দুতী রাধার প্রীপদারবিশে।। কেন জাতগতি, গতি
দানিবারে নীর। অইন্ট্যার বাজা কিবা প্রাজাননদীর ॥ রাইবেল দুড়ী,
গ্রাম রাজার বাঁশারী। অক্ত গণ্য নয় কিবল বলিছে কিংশারী ॥ বুলেইবল কাতরা শুনিরা বঁইশীধনি। প্রাজাবেন কবে পঞ্জা শুন প্রগোধনি,
গ্রুমান্তর্গ বৃত্ত করি হে উপার। প্রেমের ব্রুমা ঘটে দুতীর
কাচন

জিনতীর জেকি দুটোর বাকা ও রাগারুক নিশন। রামিণী বেহান। তাল আড়া।

জ্ঞান্ত কোন গো রাখে। কান্তর বাদ্ধ বীশিলী ভোষায় কারতের।

কৰিওছো বোটকাক্ষৰ, যোৱগন্ত যায় কৰে সাধন, নে ধন বোষৰ চুৱনমানক গোঁকি ছুপৰ্ডেন

मा का महत्व वृत्ति, के बद्दन्त्वा घरतव वृत्ति, क्रेमश्वत्य कात्र वृत्ति, दुर्गम क्रम्य व्यमाद्य ।

উপরোজ कृषः। वार्षातं शरेषा पूछी लिलान निर्माण किनात विद्यान । किनात विद्यान विद्यान । किनात विद्यान विद्यान । किनात विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान । किनात विद्यान व

मारम पति शाह ॥ नाम ध्येषि छक्ति मान हरे दिस्मिनी। इस्त मारम इक्ष इस्त इस्त इस्त विश्विती। छ दक्षम् मान इस्त क्ष इस्त हर्म दिस्ति। श्री इक्ष छ दक्ष्म मान प्रति हर्म छ इस्त हर्म ह्यी हरेगा छ क्षिती है। सामाध्य छम शाह सामाधिन ध्यानी। सामीधिन श्री क्ष हिन्द सामाधिन प्रति प्रति हर्म छोड़े। शाही क्ष श्री मान प्रति । शाही क्ष श्री मान श्री । व्राप मान प्रति । शाही मान श्री मान श्री मान प्रति । व्राप क्ष स्ति । व्राप क्ष स्

हातिने एक्ट्रवी। क्ट्रण रहेती। भगरमत क्षेत्रम किट्रणाठी कि त्याका लाव । स्वत्य प्रक्रमा एक प्रक्रमा एक्ट्रमा स्थाप भगर सरकरक रहमांकिनी, क्रांके क्ष्म स्वतिके सून्त्रम निव क्ष्मित क्षांक्रका स्थापनी

उद्यानीमा मसामा

महरमत सांगीएक संग्रह

नवातः वक्षरानिष्ठाच कृष्णेकात सर्व । क्ष्मण्य वात्राम् यो सः ।

प्रकार । मेर्निर्मिकार स्था किता क्ष्मणे । कित्रिमे कर्निर्माण्य ।

अर्थन । क्ष्मण्या मुक्ता का अर्थात (क्ष्मण्या वक्ष धूमि कार्यात ।

क्ष्मण्या । मधीत प्रवार क्ष्मणे कार्यात महिला । कर्मीत को विद्या ।

क्ष्मण्या । मार्गित प्रवार । क्ष्मणे क्ष्मणे क्ष्मणे क्ष्मणे व्यव । कार्या ।

कार्य कारत (गीति। कीयमः स्थानाम क्ष्मणे क्ष्मणे क्ष्मणे मुक्ति ।

क्षित्र कार्य व्यव मनिक्षिका कर्मां क्षित्र क्ष्मणे क्ष्मणे क्ष्मणे क्ष्मणे व्यव ।

क्षित्र मार्ग व्रवार क्ष्मणे क्षित्र विद्या ।

क्षित्र मार्ग व्यव क्ष्मणे क्ष्

में बेर्च ना मुझा है

मार्द्री अक वृक्ष विकार का निका छी वं गांकी में । (का वर्ग का सम ।

ब्राणिती रेक्ट्रेसी। जान एक्ना

দিজ করি নিবেদনি তথ ধরি পাম গ নিলপার নীলেঙ্বি কর এম সম্ভূপায় ৪

न्याल विश्व डिमार्डकेन, एरशक्तिन एक्ट लोब, क्यों का वासि-। चीत्र क्लम, लिकि क्षेत्रीय कुलीय गाँ

विविधिक्को भूत्रेर्जन পৃতি, माध्य पूर्वित उपार्थको माधुकाः ति वृक्षक्रिक, यें करते मूटक, करके मेंब ग्रीत । एन ला दाचन, विशासना, केन शर्वामान। पूठां विकाद: स्म पेशमान, शर पन रशाबाज म दक्का के आर्थ, किंद्र म्यानित, त्याचित्व त्यां करना न विस्तान, अन्ति तूर्तन, कीहरतम विकास में बाह टीक गारिक. विदर जारोह, बाबाक महिकार किरामन करि, याच दर्शकति, हा के अवति । जनाया जाया व्याप उद्देश हुने ८५५ बाकर्ति। अ शास्त्र कर्क हरेन क्लाक करियन बन्दिक जिन नाना एक ल अवटन्द, क्रांब्युक कालास्त्र । मनिकनिकाय, प्राहेश कार, र्मन क्वतिरकता अर्थादेव कर्षे, क्वितिम कर्फे, बटन महम क्याबा Calmar come come gala, also meals? The afficulty मान, विकास नीके व्यक्तिका अधिका अधिना क्षाहि, रेक् grante, cela gas alla l'auta lagra, culoco festes. मुख्यारम्म , यत्रम श्राक्ताका मिल्ला, क्रांशा का नियान, जानिए क न । वाकारकार्य ने अवस्था पुरस्कात अवस्था अवस्था अवस्था विशेषा राष्ट्रक पृत्रीक TET TO SATISFATIVE WATER COMPANIES AND APPORT OF THE PLANT OF THE PARTY OF THE THE PARTY OF T

विकास के मानुरी के कर दर्जन के व

वृक्षकृष्ट्य : जाकनामा माधुत्री, बहत्रवद्यन कि नाधुत्री । स्न वर् किन्द्रा किएक कि दर माधुत्री । क आनंदन नर्नित कि दन वर्न रक्त ক্রিবেডে চিত্তত হন চতুরাদান।। ধেবিয়া বে বেণীযুক্ত ভাহার 🤈 🕬 বিষ্ঠানতে বালকৰ কোন ক্লাভন ॥ মিশুর ক্লিড লোভে চ-विकृत वनमाइवित्य ल्याएक विम मूर्वहेन्यू ॥ कि कहिन विमन 🔧 क पुक्त ने । नवकारन वक्र जिल्ल क्राएं नुन्तकार्थ । वसन उत्रक्ष-जुलिया कुल्म। पुरुवरम किल देश्म महासाहक पुत्रका। मुक्कान ৰোন সভৰ না প্ৰিতে। কৈমনে ধর্নিব আমি ভাহার নাসিকে 🕡 क्षितमा रमक्स विकारक बारक। मांश सिंद शक्काक ता किरशक श क्षे (क्षि स्थितीरक) व्यक्त उनाक्षक क्ष्य हरू कूम मा व्यक्त मह मम 🐇 कि खन बरतरे स्वति देश के अवदंत । अनेवह देवत्क वास्ति निर्म मुनार कारताराहर कारहार के के कारहा के कारहा है। के साम का कारहा के कारहा के साम का कारहा के कारहा के का का का का का ीं विनक्षा । संबुद्धीत नेलने देश करते करते कर कर करू वास्ता पार्टे सर 🕬 आकर्षता तम प्रवे अभि किएम मिलाइकिए। उत्त काक शास्त करत अंत्रक्षित्र ॥ तक बुरफू तरकाक करनाक कर करे । मन जनरन कि लाकि करन कूरके गा बाजनाबाद मुक्किन एडिएड कति कति शतात्र धाराम कहि दशाहि।। इसनी कर्षुक रह शहित्र। श्राम । बाटन इक्केश कार्क अध्यक्ष सम्बोश्यतकता माण्डित विजीत । बाक द्वाना बति। आहा दिनि बहे नादर्व केंद्र विद्वित नामन त्यति विक रक परी त्रका प्राप्त अधूक नरम नदिम मृथ्यतः उपाः बरमा सहम सह मुदर्ग। बह्नमूरकहरा से सह नमारे सूनर्ग।।

भीकृतिका जटार मनन होता ।

कार्ता ने नामांक कार्ता देश ।

कार्ता ने नामांक कार्ता होता कार्या की किएन |
कार्यान । एक कार्ता कार्ता कार्या कार्

उरकायरम, क्रांति जारे महम। जर्ग विकास कर्ने यम कि काररज ममम, रक्षामारज बरदरक नगम, रम कर्ने मस्राह्म ॥

किर्णमी। अर्थ नि अर्थ भरक स्मार, ज्याचार करत चार्यक, मरमह जीतन भातरण। विका कृति किंग बान, घठाईन क कृत्यांन, कन त्यान जै जनस्तरन ॥ मदा रङ्यंग क्षेत्रांत्र, किरम खाल दक्का शास, मारता शास नाशीमुश्रम। रश्मन खुनात्म कांग्र, अल्लाया करित कांग्र, राष्ट्र नहांग्र कामबंग । जना जारम् भाजनकः चिरवत भक्त प्रकृतः कि त्र प्रकृतः म कानीर**छ। विद्राक्तिक काणीयत, कि माहरम शक्षणत, सर**प्र चत्र আইগ গুৰিজে। হেবা মৰা হিজ শব্দু, বারাদলীত ছাড়া ছু, ভবে **আৰ্ভু কেন্দ্ৰ-আহিল। এ বে বড় দৰভাগ,** শিলের এপটি এভালাঃ-কি তাপ তপ কতা কাইল ৮ কামাত্রি ছে গড়াপ্রচ, এটো কলে কাস क्या. अकि कुर्वात कथा कथि। मीर्गकर्तन कीमाजा, कारमत करिन्छ श्वका, विवका मूळ बिरद कवि।। .कश्वित पूर्वक के, कुन्त्वम् धाका करणे, स्थारकेटक एव कि केवीर्ग । यस अति अवा स्थित, महानाउ लिटता-यनि, इम्बीदन्न नाय किरम पूर्व ॥ कहिल्ह् बर्कि अन्त्र, कति चाकि मनि-मम्, काल मम् अकृत्य चरित्रा । यशि महत्व माही उटक, टक्क्ना माहन राज, शूक बाद्ध त्यरे कान शृक्षा ।। वक्त विकास काल र्न, इस कारह त्यांन मर्ल, पर्भशारी जिमि वाध्यव । भूख छट्ट छक्ति गर, बाटन समस्त्र नक्, किव्यित वह मृत्यक्रवय ॥ त्यक द्राप्त खेलरम्म, त्वन द्रवरखांत्र दमन धारवण हरक श्रद्धानम् । (इन्हां पञ्च मन्त्र), कश्रता श्रुक्त महत्र, छेता-634 FEW WE IN

स्वतं कार्ड्य निराय रहा ।
हार्विशे कियरेश द्वान कार्ड् रहत कर कर कार्डिकरकार कार्ड तरहा गरनह राजनी प्रांच मध्योर कर्णा कार्यकार कार्य नव्यतः नवस्ति कार्डिक कार्डिक अपित केर्याहरू रहत देवति कर बार्ड करवासाल हो किंद्रमहेन्द्रिकाकेक हना। महिन क्रमून धार्गामर । द थाउ रिमोदीण सूरवण्य । अवस्थादन प्रताम स्थापनर । जुलारक विज्ञान्न किंद्रम् । वज्रजनितिनि धानासर । सरकाणि निवृद्धि मृत्यर । विदेश्य दिएक न निरम्पत्य । जनस्के प्रसार धाराण्यर । अवस्थान्य । स्वाप्ति । क्रम्य । स्वाप्ति । जनस्के प्रसार धाराण्यर । विद्रास्थिति स्वाप्ति देशका । स्वाप्ति । जनस्कित्य । स्वाप्ति अस्य । स्वाप्ति । विद्रास्थिति । स्वाप्ति धारस्य क्रिकासर । स्वाप्ति हमा क्रम् महस्य ।

भभरत्वतः आणि तिरुप्ताः स्वतन्तिः सः सम्बद्धाः सूक्षःसम

国教员 医阿纳沙

क्र निश्चिक्टत रिष प्रत्यक शुभारत ।। व्यथमात्त क्रांब्रहीना करहे विक-देव । भूर क्षिप्रारकोन क्रांस फोर (यानिवरत ।। ब्राब्बन असम कर-स्वांति ष्यरष्टवरन । क्रोने था २ माधुरी दुनिन (यानोन्सम ॥ क्रेमांतरः

कृत कुरिवालियन। अवास खानाम विदयंत्र काँछ कानिएक।

भमनवाश्रहीं

। মাধুরী কর্তুক কালীপৃক্ষা ও ক্তিন্তির । ১৯৮ বালিনী নিজু। ভাল কেকা।

অ'বা শৃতায় বৰু কাৰ্যিকে। বাৰ্ষিকানে প্ৰিন্নারী বিবিধানিকে । একেড কৃশা, লাব, ভূমি ভাল কুণা তার, উমাচরা বিকাশে, বিৱম্যানকে

कृषि संस्थापि व्यक्तिया । विश्वास स्थिति , यो गर्ने , वर्ति । वर्ति ।

भावतीय धावित संविक्षण भीत

भवामा काईक मुद्रासम्बद्धाः स्थातः वर्णम

নদবর্গছন্দ। চারিদিকে উচ্চ প্রভাবেধিতে একাও। বিভার প্রতাত বাল দেবিতে কি কাও॥ পান্তুর মন্ত্রণ করি মান্তবল তলও। লোব মান কলিকালাকাল দেবিছা। কিন্তুনাক স্থানিক বৃদ্ধবিদ্ধা তথ

त्वाटल क्वांक समाहेश नर देश्य कला। भारत्य कस्त्रिय हम लग र्यमा कति। इ. मना ३५ वामा सर्व।। अक्षांमुख कारा द्रांखा मुर्धनन। ्मरोह स्टब्स्टक त्यरम शिवकांकि यर्न । मार क বস্তি করে ও নাম্প্রি প্রাথমাক ব্রিক্ত প্রেড় সন্ধানির বর্ণ 💛 न्त्रारम् अद्वीविका मध्य अन्ति तश्च । श्रीमणु महामाम स्राप्तिक नि दमरबाद भाक्रेस स्मरण साहित्य काल्य । सहस्य प्रतिकास (५० ऋ) 🕟 अकर ८5 मा किशोर्न कर्के निकास है। हो भी भी है हो है। अरह क्यार है त्यातील भेदानिक पाक्षिकाच्य द्यसास्त्र । व्यवसम्बद्धाः व्यवसम्बद्धाः व्यवस्थाः ছে) হয় - গলে তেখে - লালাছি লোকে লালা বুজুৱ - ৰাক্টিং-पक दे लक शकता कार्यातक कडाह यह माना स्थापि लक्षा च्या , ना तम्मद्र महरमाराज क्षेत्र) , कि की जार मान मान मना मना मना क्षांच भा शक्ति एक सामान सिल्लिक । मानाकान नमा का कि एक ना रक्षात्र प्रियम् भगर्षि आरख भन्दके । विश्वकि शक्षात्र प इ.इ. गहिल्ला । कर्न कृती रीवक प्यानि वार्तिका प्रेश्केश कार्ग 🗀 TEN काला का कि एके । ेल्ल क्ले प्रण का का कि एक किएम निक्री । হালা লোভা কিন্ত দেখিতে আশ্বান । চক্ষিণ্ডন সিলে চক ক ्योजन्यः प्रभावत्य अल्या मुन्डित रेपरा । विक्यांख्यम स्राप्त ्त वीश्वः। शकावभाष्यत्र छात्र्याक्ति (व शक्विशः। मधकार्भः हेरू अन्यक्षी आका ५ जानम करहा हुन गोनताल राक्या 🕬 [मारन कारन करन गर्भ चन नुष्या । मह मह ति व कर धामक श क्षामहोत्रदन (भवि भएम इष्ट १४ क्षांक्रम ॥ 💆 क्षांपि बोटन 🗷 म कुत्रक (शूक्षुत्र शके) नत्म लात्म कछ.कृतक ॥ विकिशायाना कि व बामा क्वि ब्रक्ष। डेमूरू छाल्क वास्त्र विसन्न विरुक्ष ॥ भएरेख ५.६ ंगुद्र देखानुत्र जूना । उदानार र उन्न यन मक्ति कह्ना । स्मर्दे बद्दा र ्रामत अखद्र अञ्चल । उनाहत्रन यदम न्यरम् आर्युना ॥ नगर ७ छेगान दर्गन ।

রাণিণী বসন্তবাহার। তাল অংগ অনুষ্ঠানাত্ত করে পেয়ে অধিকার। কি কর অধিকার।

क्षेत्र विवेश्वर्या ।

रेमना शिक करत तथ, मलग्र तांत्रु श्रीवर, कड़तांकात किया तथ, बढ़ांब भग्न विकास । विवृद्धित कुल्लीन शक्योश्य विज्ञान भिल्लाचेशाहबण्डाय, श्रीवर श्रीकृत क्यांत्र विज्ञान भिल्लाचेशाहबण्डाय, श्रीवर श्रीकृत

इतार (वालेश) । एक नगर किल्लेड, १००० १ ५ ५ ५ में हैं, इस ·香港原子中國城市自己 新丁克二十二年 日本 इसकाराष्ट्र, सिलमें के अंदा राष्ट्र, शिर्वर १००४ । १०० १००८ छेष्ट्र अभिकृष सम्बद्ध, पस र्षुन पन्। और शहस कर एए. जेलेल जररान्। भागिक । भाग्यस्य । किटल प्राचेरक अपनी १० ९ । १००० । महित्र समिति तिमान्त्र, मध्य अतुमन, इन. मा. १००० । १००० १०० १ । कुल मध्या ज्यादिएक, विशव विशव एकार्रित है, प्रतृत्वे एका एक 1907 के बिनाहरू, एकुक्किक व्यक्तिक, कहिनक अन्या । अराज स्व प्रभा**क, तब (वंशवधा विद्वाब्य, क**र्य क्षा प्रशासन कर १८६०) वालाह क्किम क्षिमालक, अरमार्ग्ड क रहेर्राट्य । वर्तिष्ठ 👉 🐵 १८८ लाख्य रभात स्मीतकः श्रुनि मणः शिरम् ॥ श्राप्ति शामि माम श्राप्तिः, हाज्य स्मर मां खांकि, खनरका व होला। क्रम हुन्द रवच कृत्य, क्यां अस्ति क् कुरत, शांक, हीका हाला। असा असा असा अरहात. ८ ५ मेर (विष काशियां एक कारक , श्रामिएक क्या मन्, १,७०० । करण ना र पूरण वाह कारक ते **भूरभ्योत्रहारम्बर्फ निखन,** अभर सं क^{र्म} १५७ । अस्ति विश्व भाग प्रति कि केव्हित करर्भ स्वतिहरू स्वतः स्ट्रिंग 😘 🖂 । प्रभू नरि विश्वा, १९७३ क नीत्मार्थन, कूछे महि महि । ६६४ मा गाँ स्टब्स, स्थारेक समन् म्रकामहत्रसम्ह अवादि। १८. १भाठा वी रा कि, वेक्सबाल अक्सबेली, रक्षांत कर्त्य श्रुप्त । छोता छ प्राप्त नमी श्याकर्षन (व व्यवस्थाः श्राक्तिकः श्राक्तिकः ।िक्षारानीतः (व. दान , तरः राव निर्माप, जारण विक्र मध्य । क्रियां प्रकृति, जाव जान दिन वा 「中華本本中では 11 · 本意は最初の「大変を使 10 × 2 × 2 × 2 × 2

अभन स्थान लाहिक मध्याबद्ध सावस्थित स्रवे कूनासना - के क्य निर्देशकरण याजि खोडि कारकर्य उ कृष्ट लोगा जिमा व विशेषात्र

电气开车往

উন্তৰ্গ প্ৰায় । আন কৰ্মেন ক্ৰয়েগৰ ক্ৰীয়ে। ক্ৰয়ি প্ৰতিবৰ্গ-(संको यक सम्बोद्ध : मन्त्रमण युग्धे स्वति नत्व यक त्रोमा । कि व्यति: कि हर्ताम कि जाना त्य मी। उन्नेन इस्मित्य विनेन देश त्या कृत्या काम १८ १४/५० । १८ अ८२१ वर्ष कृष्टम ११ अक, महिले वर्ग हिएल मणी मंत्रहर महाद्वीतरण कराना कृति को स्थान केंग्रेस । स्थान करा नाल पति क्ष्य अवस्थ । जान दिः प्रमादं १२० । स्तरं समुद्री स्थान । वि स्थान । क क्षित्र (स.व. अवस्था क्ष्मीर राज्य । त्यार प्रति महारा द्यारता स्टाम स्टाम स्थापित स्थापित । विराध करिया १०० । भू तक आहा । स्वित्वाक वस्त्र स्टेल) छ क्रथ क्षण है । क्षणिक विश्व क्षणिक क्षणिक विश्व के स्वाप्त क्षणिक विश्व कि क्षेत्र हिंदाहिक । दो दक्का करण कंग्न, अठि विस्तरम । आधिक हिंद्ध क्रिक विश्लाङ (मण्य । स्विति। मा एवं महम कृति स्थि सूक्ष छत्र । क्षित्र नामको क्रमको जिस्सी एक ।। विकीस समनी ब्रास प्रान क्रमाण-विक्रिया स्वयोग स्थाप मान्या के स्वयं सम्बद्धा है सम्बद्धा है सम्बद्धा है स्वयं सम्यं सम्बद्धा है स्वयं सम्वयं सम्बद्धा है स्वयं सम्बद्धा कि दुन्त । जाते । १७ ता छोड़ सुद्दन आ: इत्सा। इस्स गुद्दे क्षित्रकी वित्र केश्कानी । वर्रायमी काली क्षीक, कालिक शामक वर्षे । एका भी नेटल सम रक्तकृत। अविद्यारत सर्व प्राप्त साहित्य आहे इस ।। कि बहेक काउन पन वह नामित निरक्ष कि बहे को अधि है। वार । इन्हों अवती भारत कार्य जान विधि । छ विधि त्यवि त्यार स्वाम सिवि । अध्यक्षण होता आविष किरहाविनी । स्थेक के क्षिका कर्णप्रका करोता लक्ष्या हमसी क्षेत्र क्षा व्यक्ति। वृथी विकास कर राम समत्ति॥ अञ्चलात क्रांति इत्साहन वार्ड। क्षा बक्रम निक्र महरूर देश्यकि॥ बाटम क्री बक्रमनी अति जेग-करानत नाम धर्मानी राहमान ॥ यहा बनी बात त्यात वर्षे का कार्य कार्या कार्या मार्थ वार्

बांटका हम जामान कर्यटमीटिया बारिए निकाबरव लेखन निका मिरिया अञ्चल हेरेरव मिर्चा प्यासाई अविता आका विकास में है. किरमां जामुरी। कान भए अक्रिक्त श्रंप हुन महा अविका विराम का भागा भागा के भागा में के के में के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स सम्बद्धात्मि प्रकारम् । अस्तर्भ । १४ - १४ - १४ - १४ वर्षा 實際出版的人的分子行行人工事人的出版的 কামান্তি কলেন শ্ৰমণানি। মাত্ৰ, বাদ কলেন কলেন কলেন কৰিছিল। 湖南市 西洋似新 相互小时间的的 网络上胡红龙红 人工,也上了一个一个小 हरण निक्षित्र माधिक र अध्यान मध्यम कर्यार कर १८०४ । १८४४ रिक्टन रहस श्रम सम्मादका १५% । अभिन्द्र किला करणा १९४४ । १००० वर्ष को त्य मद्दार्शिया याम करद ६ यस एथे। ५० छ पूर्वकषु र ५ एणीयम ा । काकृष्टम काभित तरायम लुक्कान्य खडा त्य । दा का विश्वेष । तराया उद्योग কুগবালা। দীর লগে পুলে এইইছে মন (ব একর)। কি ১০০ জুল-लाव्याक को इत्या साविद्याना **सम्**दर्भ मेशवालका । १११ । स्व हित्ते म मच। भर च्यान कींचे धानत मनन ६ जिल्ला ५ हेर. 'लामान्ति। कर अस যার পজা করি দৌহে করে স্থাতি মতি । কর নিত কিছাতের জাশার केंग्रेडिंग खेडिमाइतन करह सुमात्र धार्मान १ ८८ जील रेड्बरी रह डेलबीडा चाहि।।

মদনের নাহত ভাষা ভিত্তার দাবলৈ ক 🧀 জনবেন ছিভি:

उक्र जिल्ली। कृति निर्वालिक भूकान, परण उन्तर क्रिया, रान् मात्र कातुर्थ हे उन्न किमानिन स्वालित्यन, कात भू कर्ण अस्य न, स्क्रण निर्वालिक क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्लिका इका, मनाटके बाजार्क इका, विन् इकांत्र अब कादिनी। अलगानि वृत्रकाता, यम्राम कानी निव काता, स्टायरक लिम् जशदिनी ॥ कथन करत कियात्व, रशम मृत्य रा रेजहर, जेलनीज मत्हणमन्त्रितः। (मर्यम दैवरम मुक्तरकारी, स्वारमञ्ज्ञ आजि मरमा यांची, वमीस्क करझ (वार्य-चरत गर्भात के स्थानी (उक्रमी, किन्धा मिनकत त्रीना, जामा निज-विभाद अलांक। यक त्राम देखना कीना, कानाय कान कान गीर . भूक्षिक्षिक्ष कार्यत असार । हाम कि इटबा कि इताम, राज भेटन छ । 四种子、中国的、有1回 上間 WE # # # 1 (西門日中中 对 面对 解析)。 ेक्साभागा १४ ान स्थानी, स्मारित करने खाल रहन ।। श्रीका प्रति नाहि रा व्यारक अस्तान्त्र व्यान्य, मान सप्रकृतन सम्बर्ध स्थि करी स्पर्धियाः, भरता पुरिक्ष मा पर्श कर, मीक्ष शिक्षि मीत विविधन । रेखवर्त एक महेम जी प्रमाण करते कर किया, योच मार्ग्य पुरुष सूत्रक । सुनि स्मृति स् ्रदेश रहीर शाक, नामा नाजामान जनाक, अनगीक हें उन्नी करण कार्डि मिट्ट लुगुरमामतम, कुछ सब स्थापन श्रीन, उत्पटकणि 🌯 वेन्द्रांत प्रतरम १०१४ । ११ कि विकास करते वास करते । व्यक्ति । क्षार्थिक री १००० वर्षात्म, रीक एक आणि हुई, अभासम दहैरव की हिं<mark>देखद्</mark>की संस्थान १ १८ १८ १८ हो। सन् द्वारात्रकाल के बाद अस्पनाह । श्विकित्सम कर का हिंदी ।

भारत की जा महा महिल्ला १५ कार की पहरीकार । अने कार सर्वे स अस्ति स्वरूप १

প্রতিতি বেছাল। তাল জাতা।
ক্রিক্টের বর্গেরণা, কি এই ব্রিক পুন্তে কর্মা বিশ্বী।
ক্রিক্টের স্থান কর্মানের ক্রিকালা
ক্রিক্টের স্থান কর্মানের ক্রিকালা
ক্রিক্টের স্থান ক্রিকালা
ক্রিক্টের স্থান ক্রিকালা
ক্রিক্টের স্থানির ক্রিকালা
ক্রিক্টের ক্রিকালা
ক্রিক্টের ক্রিকালা
ক্রেকালা
ক্রিকালা
ক্রিকালা
ক্রিকালা
ক

कहर्रवामय इन। जाकृतीय मानी, धनन वर्षनी, कुरण्यामः व्यक्तिकृतन गुरुगवानि। एविया क्लामि, छीमा बार्का वानि। म मनारी, रमम मूर्तमा । रवरण विराम विले । साम र लगारिकी, कृतम् । वर्षमा वर्षमा । राम र लगारिकी, कृतम् । वर्षमा वर्षमा । राम र लगारिकी, राम नियरिकी, कृतम् । वर्षमा वर्षमा । राम र व्या । राम र

मन्त्री क**्षक्रमण**ीक्ष्रकी क वक्षिक मासुरीज जिल्लामी संस्कृत

त्रमणमंशित कृषा । नामा गर्डा हरि १००० व्यक्त व्यक्त (१००० व्यक्त १००० व्यक १००० व्यक्त १०० व्यक १०० व्यक्त १०० व्य

धनाकिनी, विक्रमणी कि क्वांश्वनी करता साथी ७० जारि कि निका करता अच्छ जान जादिका जादन ॥ अधिक अपन शांकका ३०० (१८२७ (छ। एम ३ पटम इट (छोता जान्न जान जादिनी १५) जादिनी क्षेत्र ॥ जूनि (समन विधा-विभी विश्वनक जामितिनी निका । सुक्षाच्याक समा समन छन् कार्य छान् हरीत्रा प्रकारत स्वारांश्वरक थेटा इस्त नामी जलाउ हरन। कार्य राज मानि बायुक्तेल सारक देनामी करना।

बाजी अधिक दवनाम भूज्य सानिया नाधुनी द्वारवाट सर्वमा रूप्तम ।

AT A STATE OF THE SECTION

मन् भन्न, रुनक रमत्म । वस्कृष्ठ, मीिक्निंड, किनिन्ना गृह्य किन्ति निक्रिं कि स्थानित । सिंकि के किन्निं । सिंकि किन्निं । सिं

मार्थुतीय रक्त किला से स्मारी र नीमा गोगा रता है। से द्राप्तित

可要職! 对何有: 1

রাদিনী বিধিষ্ট । ভাল , গৈলা।

কি হলো গোধান আজি বুলি দলত এবাল প্র মে মনঃ, হলাম বিমন, ত কেমন তাত পাত্রালগ সমস্থিতি কল্পে গমন, ভালতো প্রম জাগন্ত, উলাচরণ বংল মন, বান্ধ লো তোমার কহিলাম।।

भवात । माध्यो क्य गरमृति सम सन (वाः कि स्टेन मा पक्ष ध्यानतान का । मन करत जागान रहमन स्वयन रहा। करतारता कर क्षेत्र नान्ती रहमन रहा।। रह पृक्ति त्यारः। हुए का । गरतार दि मीर्न करत जातात जर्द रहा।। हुई गाँच निरम रहान रहा। गर्ना गर्द राज्य दि हिस्स निरम सम महिस्स का महिस्स कर व्यवस्त ।। जाना पर्या राज्य पति जात्र सरवरत । रह धन वाह्यक्षित का स्व निरम् स्वयं रहा व्यक्त रहा हिस्स का स्वयं का स्वयं का व्यक्त स्वयं का स्

वरवया दूरी

भूरीत लोगेत को कांच सांधुती ७ सभी समक्तिगार्शाःत किंप्युकास असम के स्वाजी सर्वतम अक्षमाः

অন্তৰ্যা প্রার ৷ চলগো চলগো স্বি-পুলি গিয়া করে ৷ পুলা क्षिक अभि । मांत महमाद्राव करते ।। अनि मांनी अवस्थारक भूका जना होत्र । जाम[चरा जुनानुक] करन निरोधक । **जेमाधुती धिमग्वी** जाति कि अपन । उतिका माश्रुदी मुद्ध (वातित धनका। वात्र बात मुल-बादा हा दिक्टित होत्र । कडकटन त्मचा सात खान चारत होया। नका-विकति धारिनी ए-म त्यन ग्रेख : न्याति सरस्यास मामवाद्वित सम्बद्धः किए एक विश्व अरह : संस्कीता करण : शुक्रांत केशमा (वांनी मा) काम क्रांस । श्राम करियार हाथी राष्ट्र शानावरने हैं स्वात जेक विक लाजि देश करकार है। अहि कित्य ममन क्रश गांवृत्ती अधीता है कि कर हम वरण धर्ति दरम धर्ता।। । सभी क धाममकरत कि शेरफ धरा। क्रिया हुन किन्तु छटत प्रतासन्त प्रतास (प्रदेशक प्राप्त देशविम र बीडा। त्मनि त्मन श्रम मिल जीवि शृद्ध प्रोहा ॥ व्य जल्दाह नि क्षेत्र वाहिरह । अक्षात्र क्ष्यंतिहरू आणि आक्षा प्रशिक्त II on अजनीय करे भवा कारार प्र विक दक्षा कि कि कि कि कि विक मिर्न प्र विक निर्मार्थ कि विरात ।। विनाटक धर्मी अमनि प्रक्रिशा तिरान केनापुत्री बरन कि नाल कृष्टिया। मीख गाम्बारब बूटन इर्च देव स्वय मीता बद्ध कि संगीता छान क्रियमीत ॥ उट विश महीताका यमाः कृतवात । क्रियमा फेक्ट mara femin it eller en aft ren con fe Gente ause

रमस तारा भूक महे भीजना॥ स्व दमस तम तम तो लोग दमसका वि अ दमस्य विद्रस्ति चामित कर्णान ॥ मानुद्री कम महति कम अहेक्स जामित्र कर्ण जहरू भार के क्सा आंगाकृश हेल समि कि अहे क्सा। सानिकृत मित्स भूष हरगढ़ युक्त ॥ जेगाठदन दास कि क क्सर। सानिकृत करण करण करण मुख्या ॥

> মাধুরীর (৩৮) প্রতিধী নিমিট (ভারতি ৮)

कि करह महानि खाँति हुए, १४६ खालाकुत, लास निरम कुछ कल काल्यकुत्र तुलात रच खन औरड मिन लां कुल, उत्तर र मृत्य व्यक्ति कुल, डिनाइन्स ५८९ स्त लास, १०१४ स्त १८१५ नार्वकृत ।

पत्र गाम । जनीता हट्य कि महे यह के ११क मा उठा थाती मह । मिन पत्र अप कर कर । काम क्रिया कर मा । क्रिया कर कर । काम क्रिया कर कर । काम क्रिया कर कर । काम क्रिया कर कर । क्रिया कर कर । क्रिया कर क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रया क्रिया क्रया क्रया

गाध्वी न ईक लिएक क्रम अनुसादकुर ग्रहाक्षेत्र। जित्र गर्भाक लाख क्रम क्रमहा आहिए तह नर्भ गर्का लिए कर्षा मुद्दे बेश्स्व जिन्दे। देननदर्शेश जिति दर्शमध्य वर्ष्ट्र ॥ कर्ष पूर्विक चोत्री दर्शांक्रनीह। उद मूक मजलका वक्षणित ॥ चल्लीय लेकी क्रिट्स मजीत । मञ्जू चलादशीमध्य, गार्क मानित ॥ देननज्ञात सङ्गी ज्वसूनी। निवामिद्द मासूक्षा कर्षित ॥ मध्याद्व महानम्स क्षी वित । आगादन कराम देशीम देशीम धनि ॥

শিব স্থানে মাধুরীর পতি প্রার্থনার স্থতি অন্ধিক।
পতিৎ দেহি পতিও দেহি পতিও প্রশোপতে। হে যোগেন্তে জুনিক ভূমি চন্তে প্রজাপতে।। কর লয় লয়াক্য হর ভয় দেহ গতি। তে ভূমি হব কেব দেব জাপ্রার্থ কর করে করা ন্যান্ত্রাহী অনে অহি নহ পূরী হও যোতি।। প্রেতা-বিরপাক কর হুঃথ বিনশাতি। এ জানীয়া ক্রীয়া হীনা কুলা বিনা বিজ্ঞাতি। কায়ানলে কায়া জলে প্রভাগে করি নতি।। ত্রিপুরারি করে ভালি হাজি। স্বিধানে হয়া দালে প্রভাগে রাথ সভী।। করি প্রার্থিক। স্বিধানে হয়া দালে পতিদানে রাথ সভী।। করি প্রার্থিক। প্রার্থিক। প্রার্থিক। শাহ পণ প্রায় ছিভি। নাহি পুরুজ পদাস্থ্যে পণে নজে ও ভি।। রাথ কুল মামুকুল হয়ে কুলাকুলপতি। চাই উমানরণ শিব-ক্রে প্রার্থক।

मार्हीत निव ठकुकेक खिछ।

नः कृष्ठ क्रम । एता एता महारम्त भागामानग्न वानिम। वानिभूवः।
में धानीम कृष्य धाःचा॥ १॥ ता विकासम् क्रिकास्म क्रिका विकास विकास वानिम। क्रिका विकास वानिम। क्रिका विकास वानिम। क्रिका विकास वानिम। क्रिका व्याप्त वानिम। क्रिका व्याप्त वानिम। क्रिका व्याप्त वानिम। व्याप्त वानिम। वानिम।

िन कुछ हरेश रेन्वराही त्यारण माधुद्धीरक यह आयाम। कुछनि कुम। माधुदीरक रेमवराती त्यान करानीकांछ। शास्त्र कुछनि कुछीश निमारण अभाषा। अस्त्राह्म आवश्च दह क्षेर्टा कुछि (सानीस्त्रज लाहर शक्कि विनास कार्मिक्ट)। केवरानी

य बहु स्टब्स्

थाथ धनी हरम मरम नुवी। रेख्युरी आश्रुरण करेक मरलाह करे जबी ।। जीरशत कारक जामि कव क्रममी कांकतुर्। रेक कामारी अर्व শরে ভরাত নোরে হরা॥ যে বোলী ভোমার লালণ কুখে লয় বাসা। रहरत रव कारत मधनाधात करणा कारलाकामा ।। कामरवान मधारमां रवानाय्यानं क्य रेक । माविक्त्य जिल्हा शिका १ क अह मारेल । कि किनाम कि वनाम जानाम यात्र आही। वत एटक खानामात्री रेज्युरी रवाजिमी ।। कीवम रनाइम अस कूटन दश्र तर् (51% कर् রেছি ভাগ সামিতে বরণ।। সাকুর লা হয়ে জীমে জনজার বাঁচাও कारनीर्य मून मानद बार्फना घुडाखा है इतने १८० है। न्यांज बद्धी बिएम कोलि। कर्ल्ड वन दाखराना १ मध्य प्रकेम कि । जेनाम वरम जीमा गोचु निर्विकात । शह प्रश्न हम्भ ३००० । १३ ७००० 🐒 माधुरी क्रम उभेरटन योडां ७ व्यानां ८। महुरा उभना यह मानिए ভোমারে। বলিজে বলিসে ধনী ধরিল তার পার। কাতরা দেঁট कीमा बरण कहित छेलाम । छेड़दा करेलमा धनी करण करिए अन्तरी समन्त्राण वृत्रि प्यारम स्वत्राकात रिक्षम । अकरात स्तरम प्र বোধে মদনা ভ্রমোগ ভঙ্গ করি হট্ডলন নিধন - ১ডলি বেল स्वाभ करण अधिशाम क्लामी। लागा १६ छे जारना निर्देश इद प রাশি । জোমার কার্য্য সাধনেতে যদি নাতি গাঁচি। ভূমি এবার ই **मिद आमिरका मधि**कि ॥ खेशांकतंत तरण माधुती कृत्य कहना। (याक्रि কি আটক হলে ঘটক কল্লা।।

रेडडवीड वारका किश्विष्ट मास कहेंड मानते १८० पनन स् माधुनी केन प्रमाद गया श्रांठ मभग कर्दन । नामिनी जांबसा। जान हुए हि। त्यास करना कि यन खारे। नाजी क्रभागतन स्वनि वर्गा किर्णाहर कुक्रते॥ कि रहितिन स्थान मानी नार्दि । केरा का मरकार है के सकतन बरस मानी नार्दि ।

विनी महिमानेगा हिथि मोपानिया प्रति, बारना दर्गन विमाधकी। क्या प्रतास अध्यक्ष तथा॥ स्वातात लादि हलना, स्ट्रेंग्स अफि बहुका, अ अ शास्त्र बहाय क्षेत्रत्र । शूनद मदन मत्र त्निः, अनस्त्र त्मि हो।, সে চঞ্চলা জচলাতো ৰয় ।। স্কুকে ক্ষতিৰত এম, যাতনায় উপ-क, इंड न! (प्रविष्ठ डेलांग्र। बहुतांक वारकायत, क्लांकिरनत क्ष्यद्व, ज्य अन अने चाद शाहा ॥ धनीत कड़ीक भटत, हवांग मि: मुक्कामारत, करत मदब कीवन हत्। द्वमन कार्क्नुन वीदन, धांत कूव क्रिक तरन, महन्या सीरवात यक्ते । सन्निविश्वस क्रा, स्की रा ब्राह्मण, कीर्यमुद्रा इत्था खाल स्टब्रें। एम बाह महामन, त्में बृद्धाः 📆 नह. ान श्टुर हटला मकता चरके।। ७ निका दटल मनन, चय-हुन महत्त, अता भाव कांविन हिताह । एक एम. कांनिमी विटन ্তিনে গাঁডিংন আগে, সমুগাল বল বে ছবিতে ৷ মালুসুত কংগ भी, श्रुष्टा रूप नुसल्यानि, आंख ध्यांत रूप बोक्सांसा। सरव स्थि हिंदीत्रप्त, मांभारताच ताच बढ़, भुक्त शहर हरें । में फिल्मा । महिल ब्रेगा नाय, डेलंबीड निरामान, शुन्त तब स्विद्ध शृक्षम्। समान लि दिल्ला, इंट्राट्य कोम मचन, काम अने शार्क दिकाल ।। श्राम 🏂 प्राप्ताना, मानश्री खादर मामरण, दिलाम (व प्राप्ती कांकिणहा। क्यिक्टिश वाल, श्रीफटन कारबड़ कारब, बीदह मुझे काँख छा।

नम्म कोममरम् भूखात क्षणकीम श्वानिश हे उस्त छारव बन्छ कारम छेळ्य मिनाम स्थानम रेस्प्रके स्थानीका रेक्स सन्दिखाला।

कतावित क्षा (वाही हतीत्म कृते। तहन आहि (वार्टिनी इ ति नहक कि काल करक हती। क्षा वाली महनाहनाथी इ तम कि । नापृती प्रायकुमानी कि वालिक नक। कि वादि हत कि करेंद्र (क क्षा) कहित भारत कि अधिक कि दिखा भूता। कुत सम्बद्ध करवा बाला करते। त्रक्षक स्वायक कि कि मारि मा कित व्यवन ॥ भरणत कथा कि क्येको देखायोत स्वानित ।

मारत करे हिस्स कविका भूतिय ॥ ध्राव्यमि निर्माणि हैरे ताल अभि मात्र खामात्र घर्टी मिल स्वानित । ध्राव्यमि निर्माणि कर विभि व व स्थानित व व स्थानित व कि क्यों निष्ट खर्टर खार्टी कर व स्थानित । विमाणान विवास स्थानित कर्मा । विमाणान विवास स्थानित क्यों । व्यवन क्यों में त्र व स्थानित व स्थानित क्यों । विभाग कर मम वाकि । ना छ छ । व्यवस्थ स्थानित स्थानी क्यों कर मम वाकि । ना छ छ । व्यवस्थ स्थानित स्थानित स्थानी क्यों कर सम वाकि । ना छ छ । व्यवस्थ स्थानित स्थानी क्यों कर सम व्यवस्थ । विभाग कर स्थानित स्थानित स्थानित स्थानी क्यों स्थानित स्थानित

মন্ত্রের নিকট ক্টাড়েড জৈরতী নিদাত স্টর্গ সাধুরীর। নিকটে গ্রহণ

भवीत। यमन करह भृदिव श्राम ७ देसररी। कदित भन भृति भवान्त हिन कृति छोत नरण कर नमस निर्मय । भारे समाज्ञ न खारम छनान्त । सनि रेखनी नरण किन निर्मय समाज्ञ । इन्न राग्रस भारत रहानी निरम । क्ष्मुक क्ष्मुक सिंदित कार्यण व्यक्ति मनस्मत मेळ मोदे भारत यमन । क्ष्मुक मिदित कार्यण व्यक्ति कार्यण व्यक्ति भारत । विनक्षा कीरन निरम्भ सक्ति विविकतरह मनन ।। विक माती रमा विविक्ति कार्यण । करण व्यक्ति महिन कार्यण क्ष्मुक । विक माती रमा विविक्ति कार्यण । करण विविकतरह मनन ।। विक माती रमा विविक्ति कार्यण । विना मादिक कार्यण माण क्ष्मुकारण कार्य क्षि कत्रक मरण रक्षांच मादिक कार्यण क्ष्मुकारण (याद्य प्रका। व्यक्ति व्यक्ति विविद्य कार्यो छमापूरी। छमा महिरम क्ष्मुका । वर्षण रमा क्ष्मुकारण कार्यण क्ष्मुकारण क्ष्मुकारण क्षित्र । वर्षण महिरम क्षमुका । वर्षण रमा कार्यण कार्यण कार्यण क्षमुकारण क्षमुकारण क्षमुकारण क्षमुकारण क्षमुकारण क्षमुकारण कार्यण का

भरनदायुसा

विश्व किया माधुरी कहिए । तब मानी रेखनी कठ मूत्र बिर्म । विश्वरिक विश्वक (मर्ट्स रेकनेदी जानका। छेबांकत्र वरन बहुरना दिवर्जिका॥

্ তৈরবী দেখিলা মানুরী সকলনার জিজানা করেন। রানিনী টোরি। তাল টেকা।

वल धनी त्यांस्थिन आजितक त्यांत अन्त मृदत । अनीत आया दितन अतिवाद त्यांत दिवाद ॥ मा त्यांत त्यांत दिवाद ॥ मा त्यांत त्यांत अवस्थित । मा त्यांत त्यांत अवस्थित । मा त्यांत त्यांत अवस्थित । मा त्यांत व्यांत व्यांत्र व्यांत व्यांत्र व्यांत व्यांत्र व्यांत्य व्यांत्र व्य

जिये मुभक्त में बुंही कर 6 डीमां दश बला (वांगी करें बता क्रांपि किएला। १० छेलाजना कि इन्हों दिक्तन। कार करत करन अफिलन । त्वानाथ उक्ति त मने उक्षा निव खोरन क्षेत्रक छो कर ।। मधु सारत को नवा जाना भूकतः वक्षु विदन को दव (अम कर । कीमा राज के रून! (कम मायुकी। नेक कार्या ति भित्र भति । **इ**ता कतिशाम अरमक विष्ठाति। किंदू मधाउ हो बुक्कावी ।। दशानीय कतिका कतिदन भूतनी लेखिय दशस्यक विश्वित । गोट्रजी रह- फटर किएमत अंग । अ एमई कवित प्रकृतन नित्र कीमा परमाशनि किल्ना रेनद्रामा। निकटके शांकेटर क्ट्रेटर स्था अब नगा विकि कि अध्य गर यन। भरेम शक्ष करमें शक् । बंदन जिलम हर ८ छुटेखन ! छद स्वारंत्र छोत त्यांत्र निमुद्धन तीखराजा हरण। इन्युटा कहिए इन छर्न विश्व कथा।। व्या रियारन ভाषाति जालया क्टेरन त्या जीवा मिनन छेज्य ॥ क-हिन्द्रशी कविद्रश मनने । अप्रकादन दनम में पटिने खालग्र ॥ िज हिक क्ये मा रह त्नालम । बरल करते क्मेरिनक कर्न भंग ॥ भाष्ट्री किया हिन्छ। कर मा। जामात अविभ जानत कावमा। १७४वी काम ठाउँ कर। त्यार बीरत्यर मा घटके बकर ॥ उत्त-

সময় নিৰ্দয় করিয়া ভৈরবীয় গমন এ মাগুখীর ভক্তিভাষিত্র কালীকার পুরা ও স্ততি।

भूषांश्य कारीकात विव

हालियी विकित्ते। कोन कार्डाः

वासिकी शक्तिय शरम कर्य वास्ति (४४न) नप-त्वरण द्वति स्थित परम कर्य निनि शतमा। कण्करन द्वित निनि, वासिन क्षार्माहानि, क्षेमाठतन क्षति-नाती, रन्तिएक क्षेत्रक क्षित्रक

क्रिकारी । देवस्वारीक्षणका क्रांत्र हो दुनी प्रश्नुद्ध जिएस, नवां र कार्य विश्वीसन्त्र अस्त क्षेत्र अस्तिकारका क्रिकारक क्रांत्रक स्थान

. भाइती मनि मेठ निरंत्या इटन आहोड:

CARTS TAK E THE !

ममञ्चल भगात । यो ना नामि कलन स भून्यमाल करें। विनक्ष इना धारन करता परिम मन कि इस बादन करता का नामि करता का मानी सर्वेशी का नामि विन्ना का नामि कर करता मानी सर्वेशी का माना कि बाग माने कर के मानी दे हैं। विनक्ष कि प्रावृत्ती का का नामि कर के मानी दे हैं। विनक्ष कि प्रावृत्ती का का माने के स्वी करने नाम मानी दे हैं। विवर्ध का नाम के स्वी करने का नाम के स्वी का नाम का नाम के स्वी का नाम का नाम के स्वी का नाम का नाम के स्वी का नाम का नाम के स्वी का नाम के स्वी का नाम के स्वी का

महक्रां कर का का का का का का का का कर मार्थ कर मार्थ कर मार्थ ধৃত। ধনী ভাবে বাংগাদেরে জাপা নহে মৃত। মাধুরীকে ধর্টী कति भवी मध् । छिलानीका देशम मदन रिष्ट्राती आंगाम ॥ अस्पृत्य त्या ভীমারাজার সময়। খার গায় স্থান দের করে কর মার্ল সী नियाक्टिशन रथभन कत्रधाक गुष्ठियत । रेमदे गुरु शहर मार्गा वानि निविद्ध । स्थान कामि वाद्य विका संस्थानकृतः । अवद्या देख ক্ষরি আমিকের তোমারি । ধোর্থণ মঞ্চালিতে ও নি, ১০ ্র ্তির্ত চল স্কে বলাচারী কবিতা পুরিখেত : একেবছুন ভূপংবে; আলু শ গার: তব স্থানে চান তিনি পাংল উদ্ধার ॥ খনি শিব বলি व धनिया सम्मा व्यक्त मुन्ति करत् कः ध्य एक्टन विध्य । टेप्प्र रीख रक्रारक एक भीवान प्रवासिक्षण । एक लाक ए, राज १ ८५१४ । संध्यार कारिकारणा रचरम् रचरम अपूकाला झाप । लाकरणा हा राजा 🔻 कि अर्गिक खाउम । कीमा बरश स्कम एक्षि है। म्हजर एए। अयम । मर्प ७५ इमनी क्षाकाश ॥ एवं माहि नाम नाम किन्न है ए हो। कमर्र কাম **নে উদয় টেড**ন রাশি ৮ এটাকি চার্ত্ত হ' চার্ডলিব**ড সদ্দ বির্** करत्राञ्च समी समभाष्ट्रासमः । व्यम्।भगः । त्यान कथा व्यमक रुट्रात । ह्य করি কি আগে বলি মুইজান লাবে এচন্দ্র বসনেতে চেকেছে! भूती। विकासिक रूपन आन्ध औं आत प्रति । वक्तक अपन पुनि केस् িলাপন। চেরিয়ে যে সম্ভুট্ট ছইল নোর মন । ১ছে। বদি টি भाका विशिविदेश (भग्नः) डाकान्ड भार्त मन प्रमुखिक हो । भार দর ভক্ষর করেছ ইন্ধন। ও বিষয় হেরে মোল হর্ষিত মন ॥ চন্দ্রন্থ लग ७ वसन मखेल। बनरक रेलालन करा कि (कर् 🗅 २० ॥ धनी 🔏 मचुत्र छेक्ये किएक इंदेश दिव छाटन एएटकि कामा जेटन देवे ভारत।। आक्षामा कर्षहरक वीत गका कर्ण चन : रक्मरम रम वनम् भीठ कित्रम् ॥ उद्भव कुनित्य सानी तरम छन्मन । कृषिन रवमन पूर्व ।। अभावत्र बर्त कृष्टि खना जानान । कर

यां कीत क्षेत्र क व्यक्तित केखत। उ हुन्। मगमा शृत्यार मनार । उत्तत । मरकावर ।

धारम् धान्। जनार्व म्हारामध्य ।

छ। नित मान अधारदन चरमङ পরিবর্জনের । मालाकानत कांछा ह जमत्व मुखावामरबर ॥ > ॥

अमार्थिः। निव भारश्चित्र स्वयं चक्रत्यंत्र स्वाटव। चक्रात्रं वर्व्यान शास्त्र सद्दर्शन । इस धनि कहिलान शालन अक्षेत्र । धत्रमण्डे

দেশতির মতাবাস ॥ ১॥ विजीय क्षत्र। शही सम निहर्यकर।

বিতঃ। ত্ৰেঃ ক্ষম প্ৰিত্যক্তা অধ্যমন প্ৰাৰ্থিত।

गर्यकर्भ ভरवर शथर राही क्या विवर्षकर ॥ २॥ जिल्लार्चि । (सार्वे सन्त्र श्राम्का करि जश्रक देवर्च । जलक इस् . मर ক্ষি কৰ্ম বাৰ্থ।। পাংপাই পাছ শিক্ষতে ৰে এই প্ৰতিক্ষণ। হাচা জন্ম

वर्षक रेएटन घड़े। हेन ॥२॥

ভূতীয় প্ৰব। স্বৰ্ধকৰ ভোগিতা। तिछ।। कृतकर्षान यक्षण मनामन विठाइनार।

यूला विकारि (बरमन एक फिन्मा (कामिजी)) ।।

अगार्थः। क्षक्षेणुक विषे जीहा आमे गाँउ मिका कहा जा क्रित्वत विष्ठात्र॥ विश्वामि त्वा कदा नव्ह प्रक्रितः। किंग करन जिल्डि । ३ ।।

हरू अबा अका विमा हिन् वर्ष

किंदियां । अभिनः जीतनः मधा कम्श्रीनवर्षायाः।

(अबिका मार्काबादीनार अर्था दिवा दिन वर्गू ॥ 8 आ बनाकि। बिरुएंड ब्रान हार क्यार्जेड नाउँ। शाँउ निका

कातांती (बिमको अस्टातां मेचात्रक साक्रिक आएकन (व क्यत)

क दिना काला त्यर क्या त्यर बदत ॥ इ ॥

ब्राहः कविकाव लुडण जात कृषि कवार्त हथी। श्रामारम गर्म अवस्था नहीं में समय गाउ

गमनमा धुनी

स्वानी स्वानित्र कातन ॥ नेक्ष्य विद्याह व्याप्त सरन हर्छ छ हुन िक्ष्य स्वानित्र करण दवनभागा॥ सहने दर्श नाष्ट्री हर्ष कि विद्रिष्ट निवर्ष के प्राचीन वरतर विद्याल ॥ किया व्याप्त कार्यो हरण निविद्य निवर्ष कार्यो छ वाह्य किया व्याप्त कार्यो हर्ष कार्यो छ व्याप्त व्

সাধুরী কাতর হিছে হোগীবরে ফলিতেছেন।
রাগিইনি নিউ। বাল টেকা।
সমত প্রাণ প্রাণ ব্রোমায় করিছে জর্প। ভূমিতে
রমণা রুমণ ভূমি হইতপা কুপা। তি জারি দি মেছে।
বর্ণান, করেছিলাম বিষ্কালন, উলাচনৰ করেবে
পাণ, জোমা হতে হয় নিরুপা।

मुधानेत पर ने। मां दूरी कहा महानाह पहि जीना हम निर्माण करें हिंदी जानि कहें हह लंदन लागा। जूनि लंजि जानि नहीं महें जानि जाना है। उसना नांच कि हाइन हुए।। महन वर्डन पूरी महें जानि ने कार्रों। छायंत्र नांच क्रिक्ट हुन त्यां वर्ष्य नांचि।। बाजवादी वर्डन में गुरू नांच हुन वर्डा वर्षा कर्षा नांचि।। बाजवादी वर्डन में शुरू नांच हुन वर्डा वर्डा खाता है। जाना कार्रा नांचि हुन वर्डा वर्डा हुन । वर्डा कार्रा कार्रा कार्रा नांची हुन कर नांचि हुन । वर्डा कार्रा कार्र कार्रा कार्य कार्रा कार्रा

क्षेत्र क्षेत्र वाह ताने जात्व त्यमधूने।। श्रीन जनव क्षेत्र कालने। त्यमक कि तानाव किता जूदनः कित्या गर्मा बदन नामने क्षेत्र किता केवल कर कारक एक नादन।। क्षेत्र काले आने क्षित्र किता कर कर कारक एक वाहन विकास । क्षेत्र त्यांनी त्यांने को निर्मा क्षित्र कालांना। त्यांनी वरण व त्यांना त्यांना क्षेत्र त्यांनी त्यांने को निरम क्षित्र कालांना या त्यांनी। त्यांनीत्यक भागांत्र ।। श्रीमा वर्षा कृष्टि कालांना या त्यांनी। त्यांनीत्यक क्षांनांत्र केवल केवलांनी । क्ष्मक्ष काल कारन लेवल व्यांने कालांना क्षेत्र निर्माण कीया क्षित्र केवलांना।

रक्त प्रमान के सानी क बन्धा कर सन।

कारका माम हमा । यह महस महासब नहत । मात्री वृति कृत्स छत देव ।। कुंड त्वावत्क कत्व करार्थन । ज्ञाविक त्वाकी कांच छर्णन ।। क्रिकिश्चिकरत समाम । प्रमा क्षा करत त्यात्रक्रम ॥ प्रमान पर वि केडिक। मान दम क्रम लाख खुरिन । समन कहिएक कार जिल् वास्त्र नानिए धर ब्राइ अपि शहरी राज धरि पर भार। क करम रक १, वन केमान । मरवं क जानि (व अनियम । अकरारन िए हो। एवं हे स्पन कत्त्व के विश्वका त्वकि श्रीत त्र कम होकि।। अपन कर कि तम मांचुकी। कामांवहत सीवन किएन श्री ।। क्ष कि अविश्वार का । तक इक्तकर्म करने बकायक ।। तकन वीत्र अवस्था करिक । शारत श्रीरण इस शारत (र कारका। पूर्वि क्र मोत्र ज्वन मोत्र । सीर क्रिके ग्रह अस्त्रक भारत ॥ १७मा CHUR FATERIAN AND MEN SER AND THERE IS CHINI ATTE THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T ter affere affert winne gint bu eife mal The state of the s A And Region's Agency and Agency | Cold

ALCOHOL SELECTION

चीकांत बरके !! अनावतम् बरक्ष कर्ना काम । व्यक्ति व्यक्ति

त्रम सम्बोत कर्म हरा। जामिनी ध्यक्षम । जीम साजा।

भूत विकास का रवाने वक्ष तक मार्थ हटल जात जम सम्। क विकास यह किस. तक्ष्मरम घटन निर्मितित, काम माहि तव, क्रियोहत्व विकास स्टूबर केस्स । विकास करन, ८५ विका क्ष्मरम्ह काल भूरश्वत केस्स ।।

कर्वर्गक्षमः। यहम विशिष्ट समी देश विद्या स्ट न । जारात म कार्या माहिक खमन ।। तेथ्यो हुन कहना स्वर्णा स्ट न । देश नि काम खालाइ ममन । मापुड़ी क्य मांगा आम न दे हि। किर कि रम नाहि खानि है कि मीखि। करता सानित्य हि स्था मिखि। मा खाना कारत रख्न धायतक खनी कि ।। कार्यक सम का कन मुख्यकिन। कर ना द्यामत्य आस अक्ष विद्युच्या।। स्टेट्ट कर हुड कि विद्यापन। विद्युम साक्षित कर तम खादगा कार्या मिख्य दे एवं त्यामनगत्र। तथा मार्यक शासिक व् मार्गत ।। त्याक विद्यामनगत्र। तथा मार्यक । वाहित्यक स्वित्य मेन गत्र । वह बार्या व्याक न हि विद्युच क्यान । द्या करित मेदीक स्वर्थ दिस्म मार्थ क्यानाम स्थाप दे दे व्यापात स्थाप स्वार्थ के दे देन विद्युच्या क्यानाम स्थाप दे दे व्यापात स्थाप स्वार्थ के दे देन विद्युच्या क्यानाम स्थाप दे व्यापात स्थाप स्वार्थ क्यानाम स्थाप स्थाप स्थाप क्यानाम स्याप क्यानाम स्थाप क्यानाम स्थाप

THE PER SPRING

क्रम हरणा बुर्वरण। स्मारं जरम करण दिविध छारण। क्षार्थ विविधित वीरवता कि विनंत कविरक् सराव सराव। हिल्ल क्षेत्र बार क्ष्माम । बक्रमहत्वादन कहिएक व । धनी क्ष गोभीत क्ष्मी क्षितिक कार्य रह प्राप्त । जान स्थार शाहका निमा विश्वहिक्ता शाह माहित्य। विश्वहिता चटव विश्वती। गाहिरी वटक एक मान्य मान्य । उर कमास यी-भटक ति स्वानी हैटम सक अध्याह सकार अवनि कडिटन हिन्द कारत दर्शकी करन आरमका नावान नावा वा करत नेपता। बालन म ७ गजरगार्न नावित्वन कर्मा जार्न जार्न ॥ धीय-कटबंद नमू होडि। जन्माउ केंब्रेड क्रम निर्देशित ॥ क्रमन कर बाहरत हर की देखांबार कार्न । सूर्यी बासावरी कि छात्र । अविरय को किस्स ने जिल्ला ने जिल्ला किस्स अस्त अस वर्षण । कारक रूप पूर्व न्यानक । क्रांस खाला बहिल देश बाला खबूरजा हिति जान ॥ बर्बाद्वर दिना जरवान । कार्य काळ बाल बाट विकास ।। कवित्व वृद्धि बीना संशोधना । सम अवस्था । स्थापन क्ष ।। त्रण जार प्रदेश हरेकान क्षांक त्रव काक कार्य दशका ।। PRETATE PRINTEL CHANGE CHANGE CHANGE

 the state of the s

हरेनाम यांनी, कन रह हरन कना। किंग किंग (प्रश्न क्यू. ति द्रार तम मह, रव कुन रह निर्माना। वक्त नर्दन किंग की, अञ्चल कि वाति, विक्र स्टू कर क्यू। क्यांम कि जुनारेंद्र, प्रमाहन कि जुन कर निर्म क्यांम कि जुनारेंद्र, प्रमाहन कि जुन कर करों है, के प्रमाहन कि जुन कर करों है, के जानियों। योचुनी किंग्ड क्यांम, का कि निर्म क्यांम केंग्ड किंग्ड किंग्ड क्यांम केंग्ड किंग्ड किंग्ड क्यांम केंग्ड किंग्ड क

वृदक बुवजीत तमगरिष्ठ निर्माष्ट्र क समर्थन विद्याचार करिया।

श्रीतत्व विकार कि काम परिमा । त्यामानाचा विराणित केतिन, स्वीतिक स्थानन के तर्व श्रमण्ड स्वीति केति । विकार विकार त्यामानीत श्रीति । विकार विकार के स्थानन स्वीति । विकार विकार केति । वर्षा विकार विकार केति । वर्षा विकार विकार केति । वर्षा विकार केति । वर्षा विकार केति । वर्षा विकार केति । वर्षा विकार केति केति केति । वर्षा विकार वर्षा वर्षा

क भार केला । (व रुकू मितात यक विशासका एक निनिएक क्षेत्र केहिरव निर्कत्र ॥ स्नीदन छोमात कारक हिनेन अ त्वर । के तीन देवन किरायत मरणका भवाष्ट्र मोनिमार्ट्स पर सु विद्रमाध्य अमित बाक दिमांच प्रशा देशेंगी नरक अर्थ क्षा अव। मधि पूजिएद त्रामा स्नाम निवर !! नेयर सुष्ठी-करना त्याम कोहरू । संयुक्त क्रेन कर भागात कीहर ॥ विक ति आणि कांत्रम धमन शिका का का बानन टेलिन दायन में करब अमीरत धटना अवम भागमा हरमहै क्रमण बाधका किन्त और ह बन। कानिनी हरेपा बनी अव्यक्तिन शुरु । मुद्र एक रेडक दिक्लाक्य क मृद्द में चूर्डन मिलामिट कि नीख माथ गृदत्ती जान अनोम श्रूट नाम रगुरक्।। श्राम शृक्षा करि भनी करिन भग्न। एक राज्य गांज कृष्ठिल नहमं। कंडचरन बार विमेन कहिर ह का उपादेश काल एक्ट कार्य महत्त्व ।। जीविस्त जीविस्त स्वय म गानिको। मनी नाम कारड दक्षिएक वास काफिकी। छेमांकतन बेह्र अविवासिका। मह्नाटन लोव नीख लानाव वनिरद ॥ वनमें माधुनीत विजीय निरमत मिनत अमरमत विनशील

104 En I

em (viva presentation), ein gen, biet gengenstelle eine geneure, effenten, eine geneure, eine eine geneure, eine eine geneure, eine eine geneure, eine geneure, eine geneure, geneure,

व्ययंत्र मन श्रीक । श्रीकार्य, कर छात्र, कर ८६ ८मार वर्टक । अह छैकार्णन, रेडरन कविनाम। यम लेव, ममानक, अन्य छोत्र विन वनी कन, वहांगन, कन कह राजि। कि नेक्टन, वि বৃদ্ধে যাওঁছা। কৰে বাৰা, গোম বৃক্ত, ক্লিড বে আতকে। क्षांचात्र, निर्ह्णति, नरेएव हे श्रेष्टाम हे सिबारबारन, वाहरबारन मिविश्रोक् युश्रम । महत्त्वरम, भूबखरम, छोरब कत्र युश्रम ॥ अ आवन थां इनी, क्यों डेविंट नम्र । कठेडीम, विनिष्टीम, एनंद्रास रक्षा मम्। रियां जी करा, किटन रूप, उर्व शटक प्रभाना। छोठ क्टम, त्यामहरूप, ज्य श्रुधा जुलमा। छोटल गांक, करक कांक तिथ छट्ट शिप्रमि । याह क्राव, राय भूव, विशान कालानि । साम कथा, दुशमूका, विक्रिक्त কাভরে। হিতাহিত, অবিচিত, মার্য্য করে ইতারে। কোন বুকে चामितुरक, चारहाकिटवे असमी । शत भागी, शांभराभी, घरधारक भिरम् ्राणि।। स्वानी देश, तथा नव, एक बाध्ययानिएक। रेवका उरन, कि कांद्र र्तः नियंत्रक संविद्यान्। परित्यः विश्वत्र दरः, अभागमण्ड उन करे। भव शहन, उठि दिवादिन, राह्नारू यमन करें ॥ १२ करण, वन कि । । दियाति महाभाग सामगुक, साह माहा, एक मा तक ता क मह ।। दिल्लीक क्षा कृदीक, प्रकेटन लाल हरा 🔊 अमान, क्ष्म मेपम, केमां 5 उन सम्राह्म

संबुद्धी विश्वीक अञ्चितिश्वाक स्था अभाव दमका।

ভক্তিলিরিভার্য। চারদণং যদি কুর্কতে। • পভাক্তক্ত্রমারুলাৎ দশতাদ্যাল্যগোর্থকি।

অন্নাৰ্থঃ। প্ৰিক্ষিত্ৰ সতী উঠি ৰতিকাৰ্থ্য কৰে। তাওঁ বাছ কথ হৰ্মৰ সম্পন্ধ । জালা কলনা কাল পৰি বিদেশৰ। পতি পত্নী আৰু গতি বেদের নিৰ্মাণ

WE SEE FOR

भवात । नवस रावत कर कर कर कार्याह गाँगी। काळवात च छात्री वाहि कार्यि गाँगि । विनेतीय कार्याद कार्य अनक अम्मेका सेव चन सामुद्रि नारकत विभाग ॥ विकास

नायकार्यक्रिकाला ह किमनूर्य विद्यासिका। मामना नार्यक्रमाहक मुखनात्रमिन निष्टर ।

अन्यार्थक । अवस्थित केन्द्रिय की सी कटना विश्वामित्वा । भारता प्रस क बीन क्यानिया निष्ठियो। कांध्यत शार्थन व्याटक मृद्य भाव चाटक का । दक्षा का करूर के दक्षा के कि जा विता कारचार शार्यन का क ব্রেটা উপস্থিত। স্ত্রীভিষ্ত বিপরীভারুত্ব দিবার্গিত। মাণুরী কম ওম कि सामात राहन । इन नीड चानी क्षत (यरमज निथम ।। उटक मानी ক্ষিত্রের একি ওক্তর। কার্য। বাকুক দুলে আনু তনিতে ছত্ত। देवे त्यांनी वर्ष मिन कि हाति एक्सिन । देक लाया हुई कार्या हु किकृति।। तो मा रहन १६ मा पुणिनाम कामनाथ। अ दिवार प्रधान करे साबादिकताक '। क्षांक त्यम माहि स्ट्रा क्षां महार्थ में कि कति परण-मी देशके लाटकर निरुक्त ॥ मणम बर्ग दर्शक काल महन त्य मगरम। देवीन नाएक नारकत केवी बेलेंट नमुद्रित । धनि दाश किन गांच काल मुनिका। क्षेत्रिकेट के काला केन गाहिक घटने कुता। (यानी दरक गरि कारमाम महर नेप । जारक त्यात्र कवि गाहे त्याकरक एक ॥ दिना कि सामा कति विशेषेक हम । कही हाम श्री तरम में निश्वीय प क्षीनाम जारब रित स्वानितीय गारम्। इति तनि स्व जीव (क्यु mand in the sail and a see were wen i faun cul frechte न्त्र का रोगामा क्रमावका गाम इस देखा है का लाउ हर् Tredito Id 4

लियोव कि ।

वानियो विधिष्ठे काम काला।

हा लानि निरोधि सेकि सम्बद्ध कामार्थे किए।

हेन इसम कानिशी काम कानिएक सोनियो निर्देश ।

होनीय नुसार के मार्थ कामानुक काम किया ।

होनीय नुसार के गाँउ कामानुक काम किया ।

होनीय का का का नीय कामानुक काम किया है । विका मार्थ

केचात । रश्की बरण बानाहेत, बाट्य डेनरमण वित : बर्क्स एक श्रुति, आत्न रेवर्ग माहि धति । त्माच लाउ त्यम तील, कार्यह बनी विश् कीछ। ब्यार काछ भार इत, राखा छट्ठे कारखानुकी क्रम नेमा शर्ब तिनि, छेर्फ, अथा अध्य अनि। हथ अणा शुर्व हुद, क्यू हिन्दक हिन् पुरकाठ अभिन दुक छेत्राय मन्त्राहुक एक विक माहि सारिक राक्ट उरक महरन। अकि खड़क राज हुन, जुला जुल हुन वक प्रत्य किट्ड्न वानी, वन अन् कड़ी दुनि । हामा वरन महानम मोह खांना अधिनय यान नाक छाउँ योगा, अस शत्क छेनेने " अन विन ध्यानंत्रव, गम जम कि वासक । काला न हे जिल बीटड, हम वर्ष ्माबादीएउ L.बि.निट्यदित चरित्र (उटन सम्बद्ध रिक L.हरे नी -गांव श्रेम, कि कुद्र जार रिसेषु। क्रांगाक व्यति वस्तार का स्वास्त्र का ्रा । प्यामी पार्म निवस्त, विवसी क्रिकेट में 1 है है वित परे ्त्याक मण पनितक अभावत स्थापन विषय विषय प्राप्त कारत होर मा त्रिक देखा पुरुष केना द रहिएक, तम जनका क्षेत्र प्रतिन हे करें है वेलडीज बनी, रह विश्वीच अभि । क्र अद्भार उत्म, लग अनि लो कर्नीत हुए। बनार सन्हें पर हैं, के हिं भागति के के। कर अब उस राहि, स्टेमा द्वान नाम कराहि । त्राजीत उद्देश अग्रिमा क्रिका अहिन नत्र मुकारेटा माह्य के हिन्दांत्र कालते " यह के व का मत्र, हिन्दा TET STEE WE THE WAST THE SETTING OF STEEL CHIEF जमानक नक्, भोज नरक कालकार करण कर्क दिलकी के, उराए और विगरीका कविक कर्राक्षत विगरीक कुरका।

नाना क्यांक करते क्यांत नात क्यांत्र के किए ग्रहन । यस द्वित्र क्यां क्यांत्र क्यां स्था निकास के काल । स्टार काल आहा माल रहा। कर आहे. काल निकास । एक कमार्थ मार्थ मार्थ वालि। सूत्र माला वाला स्टार किलियाँ (आह रेके (आह विके स्टार्थ) देवर कालों निकास करें का। यह मन्। स्टार्थ हैंगा विकास अहर प्रत्या क्ष्म राजा।। यम मा कमा नामा लोका मुख द्वासा सहा गर्भ साम।

महिलुक् ममामव क्रिकेट छन्छ पत्तम गोलू हेर वृद्धि ।

अवारा हिमाने विभेने स्थान दिल मान दिलारी एक है है कि दुनिशास इत्या। प्रत्मत अभिन्न भीम हरेश (व कार्यक व पा विश्व क्षि रेनार शाल कियी बारेला विकेश क्षेत्र कार्या कर्मा करना सन्ता होत्रिक्ष कि कियन क्षिक्ष में अधि ये प्रति विकास वित अपने द्वि । एवरम्बाबा कर्मा स्टब्स्ट रावि ।। ६९% प्रतास्त्राक्ष राज्यात्र अस्ति । अस्ति मार्ज । जनमञ्जल शरव दोक्षाहरेस (स्रम द्वाम) नुवालक क्ष टर्ड अप्र एक्ट्र । कर्षा ता शहक तथी द्वितक का वर्ष मा विक्रमा कर देश वर्गी केला वर्गी केला क्री नाम तकता तकामान कृषिकी । कार्नाक क्रमका हुन कृति हुन the Male grace (all will a wide of the state of कि क्षा क्या। लिडाउ त्य प्रकी गरी दार्थ होस्थ हिना क्या नि काटक कार रहा मंबीर काद्रान अरबी कादि काहि नेए से देवागी WILL BE AND THE TRANSPORT OF THE PARTY OF TH क्रिक बारक तथा गाँव हु दनक । क्षेत्रक करोड करने पार करना मनीय क्रेमपुर्वे दे हैं दे करते। बहु हमी बांक निवास व्यापायन क्षा रहत कर है। इस उनका नकी स्थान नीव देश निविद्य कि ।। आर्शिक वाक्रिय नाव स्टा के विक्र अस्तरमध्य मानक सर MEN MIN AINST ACO MINICE CON LANGE FRITT

किन पुता नदी जानि बदन ॥ छनिया वास्ति जास दशकीरत

माधूरी केलापूर्व काश मिन्द्रमेश के काली।
जानिये निकाय। कान अवकाना।
जानि मिनि किम कहें दश की दश्य भिननाद्वी। कु स्थितन काम दल्लीहम, निद्देशक अदहार के भ कर्ली जात मादूरी कियापूरी, देवी क्षति भाग कि है, स्माहत्वे। नदर्शनक्षम हत्व चुनाब दिन्द्रभागीर्थ।।

जात-जिल्लामी। कहिएक गोपुनी, आन नहत्त्र, यनि क लामारब ड नर दर्भवटन, मृश्कि । श्रीरहन, बेडिअडि भरह । अन्त नर अहे. हि रकत ब्रह्मक, श्रीव्यवित्व पूर्व । अच्छार्ड खाँची १६, भटक ड १५० मही रीत यक अरह ।। अने कार्क करें। आर्क जारक जार अरा "खरा। का काख जारह, इरविभिन्न जीतह, तक कारह जा दिस्त ॥ (व वन जनगरम, मा बिक्टिय (अटम, शूर तरत कार का बाह, काल नग्र का अकारन, अब भरम (सरह) किया पुने कप, हेक ए ह कि हा विकि माकि पिरको रक्षमस्मरण द्वि, विषठ स्व विके, बाह्य द्वि बाह णामिक्का क्यांकि कुमानि बनाही मा बन समान। कामान कुना ंति का अ शाम, इसे रिश्तात । इतिह एक्कि, खांच करूमेडि, इस बार) परित्र मही क्या बता. हरेया शंकता, काहेल बानिस्त । कह लाउ काडि, करमिक मेलाडि, जाम परेक्ट कि । उर्देश कार्य, मे भीक छना, कुमादिन नाती ॥ भवी मेन बटने, इनरन १९८३ ५ छने, भी उद्ध आरमीत्व । समित्य प्रमम्, मत्याह अवसः काम्य वसाम । निर नरन नकी, बाब तनम बन्धी है। देवाने चहिरख। वन कि विशि नंद भारत स्वीत अवीत अविश्व के अधिक के किया के किया का जक्र क्रांच । क्षेत्र वर्ष क्षेत्र क्षेत्र वर्ष वर्ष करे वर्ष व्यक्ति, के गरी सकत, बाहि देह स्थादन व ताहा है विश्वीत हो है बाहि व THE SEPTEMBER OF CHIEF AND THE PARTY OF PARTY WHEN

स्ति क्रिक्त कर्ग रेजारि, तक सुना बना । जोशे स्मान खरन, खेनान वित्ते, करति नक्ष ॥ श्रु गामि क्रिश्र, शक्ष कर्मा नीख, जास क्रिक्ता कर्म स्वाप्तिक, सीधूरी घष्टक, करणा नम्याति ॥ नथा क्षेत्रताथ, युक्तिक कृत्याथ, करणा व्याज्ञ । क्रिकेनाव्यन, रतन स्था कर्म स्वाप्तिक एक ॥

প্রিসূত ও মন্ত্রিপুতার বিরুপ

क्रमत्ति एका। धार्गाम करिका तमानरका । ठार महिमस्य का-।। পঢ়ि ध्वेत्रपम दक्षक स्थापक क्रिकेटिक कर्म कीमा घटन ।। दक्षा प्र कार है के बाचूने । जानि सामक सह दर्शन भति ॥ भागा हरन कर र्वेक । एक बन्ना का व लाव जा का निर्देश मध्ये करत गामा है। एकरा শহিবে শগপর । কেবা কাজে । কেবা আদি করে জ্ঞাতার বিবাহিত মন্ত্র পরিক্রার করে বিবাহিত মন্ত্র পরে मियान एक मिया गरिम । क्या किए क्या कारण कारण ब बटन क्रम महास्ति। देश रहर रहर करने कुल्ला हुई त्या उ न्यातिक माना के प्रकार के विकास के नाम विका के तक पर करते मुख्यात मुक्का क्षेत्र के क्षित कारक । केरियन हरे उद्देश बारवात केरियोगरेक अन्यक्तिक दशम करीन व्यव्याप अल्पा अवटर वी बालाइ निमास विष्यु प्रशstan amin for arm and and arm alta with कि कि निवास कि व्यवस्त । व्यवस्त क्षा कि विकास । वाका विकास त वीरका जान सम्बद्ध होते सकाल । स्रोबान कृष्क राजा नि कार कर किया की-काशास्त्र अपने के वस । सन THE REPORT OF THE PERSON WERE SERVED FOR THE PROPERTY AND THE PROPERTY AND THE PERSON OF THE PERSON ANTO ANT ME CHANGE CONTRACTOR OF THE PARTIES रिक्षण साहित्व केपनि दिन्न में कि विस्त जागनि HE STORES TO THE SOURCE WAS AND THE STA

कर स्वीविध्यक्त वार्यात्मत् ॥ स्वान नावी विश्वतिक लेखे । हैं करक स्वति इंग्लिंग वानत्त्र हुई भयन कर । इस्य विश्वतिक स्वति । कर्या स्वीदिय 'किट्टिइ डियापुरी। अस्य कि उनाक उन्तरिक्ति। न कर्ड विदाह बंडि ट्रेंग्स् । एवं कर्य अवस्तु वृद्धि ॥ द्वि ना देत्र भानिश्रह्म । खेटेन एटेड कर्य शहन ॥ केटिइ मील डियाहर्म । वार्

> উন্মান্ত্রী মন্ত্রিণুক্ত বহুনালা প্রনান ও এচন ক্তা। কালিপ্তিবিল্টি । ওতাল আন্তঃ

मानद (अंगननंत श्रेम क्यार पूर्ण। भागएस भीतरक सार्द्धन अर्दिन क्यार क्यार गर्द्ध मन नाम, क्यिडिआन क्यार अर्थन, उभाउतन नरम नाम महिल्ला क्यार अर्थन, उभाउतन

Secretary and the second second second ित मणा तरते कविक कर्मन ।। यहाशाया करते किरंस अधित लेकी रिक र निर्देश दिन पूर्ण भेटन नार्जी राज्येन दिन प्रधाननित्र में मार हा विकार में दिन कारने जारने जारने में बर्फ में अन्य का गांक राज्य देव के संभूष है जिसे हैं किया है। इस इस देव देव देव हैं के उपन है है कि ि नेन महरने हैं विकास समित अंग अपनी है। चरकारन कि देश ं र अनुभा भावित्स । स्टब अध्य मन्ति । अवते श्री हो। अदि अधि ्राप्त अमन् क्राचन हे कर्ता है इस मन श्रीतर करन में पन तन दान महिन्द्र केर्न क्रमान केर्न केर्न केर्न केर्न में कर्म केर्न केर्न में बार्ट केर्न थापि अप्रोड्डि देशकिक (क्रमान करें केर्फ के (क्रम अर्थ) ान करन पान भार पार किया है। वह के बाद महान करने की THE REPORT OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE tiar pareil seren generatie ett gelange TR fen mer bulben wer Wille ber ben eine Bergen UN ASSESSMENT ACT STORES

विषय । अनेना महाना वह मुद्रानक। तदन वरन हर प्रतिक्षित । प्रतिक वर्ण त्यादि कांखरण वेशिक। द्रा के जीव कांखर वांखना प्रशिक्ष। कठ स्था निम त्यादन द्रामक भूरव कांखरण विश्व कांख्र कांछ वरण्या। कांग्यादन द्रामक भूरव कांखरण करि तेल कांख्र कांच्या । व्याप्य करण्या करण्या कर कांखरण प्रभा कि वर्ण कांख्र कांच्या । व्याप्य कराव कर वांद्र कांच्या । व्याप्य कांब्र कांच्या कांच्या कांच्य कांच्या करण्या हरण्या कांच्या व्याप्य कांच्या कांच्या

L. the Civis of Plants and Specia malage THE THE PROPERTY OF THE PARTY O Contract to the second section and contract to the second THE REST OF THE COURSE CONTROL OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF Both the plant of the war from the THE PART WAS ARRESTED AND ADDRESS. क्षणीतं सर विकास विश्व किरान संक्षण है । किन्द्र। तत्र जीन केन्स्र भक्तिक के किन्स्र अन त्राहमः AND DESCRIPTION OF STREET WASHINGTON A TIME OF THE क्टा और राम रहिमान राग जीव कर करने मार्ग धनी। BE A THE THE PARTY OF THE PARTY The state of the s नार भारत प्रति । विकास के विकास के स्वास के स्व

THE THE PERSON OF THE PERSON O Sica, femini oce coinice, varior fo continue of वित्र देखन, किएउ किए वानीयन, भन्नमाता का कारिता । राप नात नर का एक, पूर द्वार वस्तक, द्वार बाहि जार जात कांच सबदाउ रहे काछ, श्री कुछ उत्सार, बन्दां व के हा धाउनि । सिक् त्व अहेतात, इस कि मा भारत सामि, वरके लोग मार विवास !! अहेन क्या वर्षा, जूबि कुमार्व मकरबा, क्रांक्ट्रिक कराना मासन । अनि मु तालामुकि, मान बारम कर कि कि बहुत करिए कि अपने । अपने परान्तिहर, व श्रीवन कर पूर्व साह माल को न्यान हमात्र, सम्बामा भून सह अर्थि काछ जिल्लाला । ज्योत्र मध्य गएका स्थानि जातीवरी, क्रिसीरेस मेनेट्ड के कुण । स्मरेकन करि स् क निया ता कालिति, जार्मी सरकार प्रकृति । जीने गांवतीय क उटल आद्र बर्जीक्टी, नामी ब्रामा नामा माहि चेटने व्यापा कि निहर TITE, TOP THE WAR PORT OF THE WAR RICH MEET CHES IN THANKS, SILE MIN SHITE HERE ! मोरन विस्थान, क्षेत्रिक सामाध्याने, ज्यांक शत बुद्द सम्बद्ध ी नीय करते। अक्रमण कान रक्ता करता नाट्य बाह्य क्र TATE OF BEET BEET SHOW OF THE PERSON AND AND AND व कर बहि साम, कर बड़ा दर बाना, कानांत किए ही जीए कर म्ब (म केवना बुक्तिः विकास एक सारा विकास देशांगां कार्न हरावांक रह नामिका अपनिकास कर्मा कराय माना कराय माना में नी है Laly Laure Latte and Salat Can Cole in a sin it wall क्षु जावना, बाहि का प्र अक्रमना, बगांग कि उन्न नाड करते। ल वरण, त्करण मुखीय लाख सामिता है। होता है

TITLE TOTAL BENEVICE SELECTION AND SE

erfere ce fea d

कार्यक्रिक प्राप्त करणांत पति, विश्व देश मधी मधी, विश्व के प्राप्त के क्षेत्र के ब्रोह्म के ब्रोह को विश्व के प्राप्त के ब्रोह के ब्रोह के ब्रोह के ब्रोह के ब्रोह विश्व के ब्रोह के ब

कार दिन वाकार योका मेरिक विकास ने किया है किया दिस्त अविष् । नीहक स्वित स्वाता विश्वनगरान । वनन छे अस मन स्मारम् ॥ उल्लेख अविकारि देखवरी ज्यान । जेमापूरी तम विकास किया । किया लोके के कारती पता एंट नमध्य । निवास नाव शाक्षा देशक कांच्य महत्त्व रहेडी, बहक दकान शाका दन तरका अमन क्षितान क्षति (महीदिन क्षति ॥ वाकांत्र क्षत्र(स (स क्षत्र १३ Tarrelle with arm from man it windlich aten THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH कर्म-कारक गरिकन संदेशका । यह विकासिक अदिव रहा निरंदन AND THE REAL PROPERTY WHEN THE PROPERTY OF THE AND AND TO Alles forme of saled of the wester Exist parally described of the same and the same दिन अंत्रकात अब्द कांचे क्रमांक राज प्रकारी क्रमांकारन धने ten (1) eten i ich ent entre etten fette inti-THE REPORT OF THE PARTY OF THE PARTY OF Be all with the long fire or particular transfer from THE PER STREET AND SHEET STREET A CONTRACT OF THE PROPERTY OF AND AND THINK THE PERSON OF THE PROPERTY OF TH The second secon THE REPORT OF THE PARTY OF THE

* Transfer in

रामिनी विश्वकरण जान के कार्य । रामिनी विश्वकरण जान के कार्य

pifiel ies este Angelie Many fele The Sea Staffel, a De Mieldel, Saidann (1) and feleil antell

TIVETOR

् **उपनियंत्री क्यां। विकासी संस्था**र संस्थात अप कि निहरता (बारी का कार्या का नार मा आकरी है। कराज ।। वन्तिक दिस क्षेत्र क्षेत्रको अभावीत्य क्रिस वृत्तित्वा जक्त कारन दसत्राह किया जहनी ने समाह अतिके हत्या ह नावि विचि नेमार्थ क्षेत्री बाहित दक्ष विकेश करते महिला करते हैं। रुवि अवस्था स्थाप क्षेत्र कार ए का जुलाकसा (गरम) श्रीकार का नोलंड छवन । नागाव देशका वा नाकाश्रीतरक बाक्ष प्रकारक मात्र । यनी का नक प्रवृत्त नीत् कृषि कर कि व कि कि अवस्थित कि वानित्य कृषिण । कर्मकी CATAMORE SERVICE METAL SECTION OF SECULO (NE WAT | WAT | PER | PE वन्त्र ।। विसाद गुरु करेन देवन क्षात्र पुरव्यक वाणि है। THE THE PERSON NAMED IN THE PARTY OF THE PAR वानि नवार कार्य क्रिकालक नवार किन कार्रवारी 41/4 414 | 14/4 414 | CANA 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 | 14 414 TEN TENTE STATE OF THE TENTE OF THE TENTE STAR WITH CHIEF BLANCE CONTRACTOR STATE OF THE STATE OF T CONTRACTOR OF STREET

विष्यं नरेड नरेड नाठ । अमा आवि महनाम तिमामः विष्यं विष्यं के प्रश्ने महत्व कहिन अनेम। स्थानी ठिनिन विष्यं के प्रश्ने किया हत्व, यहुमा अमः मिकः, निम्मिन कर्व करव कार्जिन

মাধুরীর নিশিতে ভীমারাট্র, নমুন ও লগবনক্ষ করে :

्रिक्रणी। फक्काक्सास्या, क्ष्मि विश्वभूका, क्षित्र वाण गृहवै। कि अभिक, धानिसन्धयीया, यहाँका क्षापा क्षापा कर्णा कर्णा है। क्षित्र, नवन देवलकार्या, दक्ष क्रिया क्रिक्षेत्र । माधुकी मनादय, नगरान किन्ती ७ ४४म । मक्कान करणा, मुक्ताहक घटाण, का नाव कर हैं। कक्करोत्र शांत्र शांत्र्य प्रक्रिय मान्याय, संमध्य प्रकारण वान निष्णा क्षुत्र किणावस्त्र, जर लांस किष्ट्रि निर्देश किश्व क्ष्म केस, कास शांभ ्रकाम्भाषात्रा दूवि । क्यांतियां हो, तह तम मासूरी, कुलि रिके । भूका स्त्री करता भूकित । भाकत्व, त्रि दह नवम कवि । बार-क क्य, ब्याइत्याण नव, देश एन व नवम । मा क्या मार्ट्स, हा है कुष्या, त्य तल रामक। नको नरम क्रम क्रम किरादेश किरादेश । या Traien i es min via, mul Burin, teiff fantritur के अंदर्भ, सार्था नवती वा रहेत काकी का नवका मनः, न menden gribe i Ginin mine, Griffingen, weith "vi विभिन्न, 'त्यविन व नाम, त्यारक वक्कान ॥ वास कि कान कुल्ला को दी वांच की नांचनरकाता भूत्राकिकिकि उपूरा करीर . . किन नुका प्रजान तरका कारणा कार्के, प्रक शिक्ष नरके. "र क्षेत्रकः। प्राक्तिक मञ्जनी, विशेष वार्त्वाके, व्यक्तिक व्यक्तिक प्रकार हुन । 🖟 🕝 क्षि रेडाध्यान, चितिरा कीमानेता क्षितासन गायक, अकरण । हर्वा कर्मा हा. वर्ण क देशकार है है रेकान क्षेत्र है. र र र हरे क्षेत्र करमानं, विनारित द्वारी, क्षारित मापूरी प क्षिक्रण छ, पक्षकारी भनेतिन। दक्ष क्ष्म कृषका, 'पनाट क्षिक्र की भी क्षम भीतक, बुह्यस्था निरंग.

्वांशिर्ण दिएशिह्छ। अधि देन उच्च समुद्र कर, द्वार अ त्वाहिछ॥ वृक्ति कित मरक, ठत अक सरक लागिए एक कित है है इत इरह, कुलान त्वाहरक, क्षाणीय विवतला। एक देवहाल, द्वार दे उत्तर, कुलाव व्यक्ति । वस्त्र विवस्त्र शिक्राहरूव, दर्बार द्वार भिना॥

क्विति कर्ने क स्वम्रक केन्द्र के बाहित व वार्क्त न।

त्यांकृमी **हम। ८२५। इन्ह्यूरंच अभि क**हा अक्षेत्रका समा रवन सम भागवन प्रक्रित प्रकृतियः। स्थापन सम्बद्धित प्रथानियुन स्थानिया हेका वस्त्री ক্তবি আৰু কৰি পাৰ বিচান প্ৰেকুৰ বীলা আগান ভাগে আৰু বি े ७७ । इ.। क्वाबियी भारिकी कक्का ब्राफीय का ए नाज । वांब इद हरती मध्य यथा सम्बन्धामा। अव्यवसम्बन्ध जानाहेन या सहिल महीलागु उपम जेमामूकी मासूनीएक मार्केट मार्केट महत्व असरा रहिएस क्षेत्र जीव अर कारका। व्यक्तिका विका कोक्या सूर्व कुछ स्ति। सूक्त्र क्र दिरदम् कामन कार्य कार्य । बाक गानि मृदन छन्छ। अपि गदन रह त्य वक् जावरक एक देवी बाजि करेगार मा (देशक में) चरत-श्रेत हैंट श्रेत हरेस के विश्वज्ञान शामिकक्षेत्रक विश्व वामाह काला कामा। सदल निरम क्षा का अस्ति। शर्म क्षा पूर्व रेक्ट्र निर्में के BANK I WAR BURNER THE WORK THE PERSON THE THE the state of the state of the state of the state of जतान वहारक के इन्दर्भ छतार मि छोरत में कि मनाव कहिति स प्लेक्स का विशेष अंतर्कारिक का विश्व किया गरिएका । विश्व के अवत किया (कार विविद्यान) ता प्रदेश कृप्येन। A धारनाम की अनार्वाद करके का महत्त्वाद कि के कीवरण । प्रवृत्ति । धारतीय THE SHEET STREET AND STREET STREET TERRITORIO CITALITERE A MASS SITE TO THE STATE OF THE PERSONNEL PROPERTY OF THE PARTY. IN A STREET OF WHATE dinesia.

विकार कार्य का वार्याण क्रिकेशां गरेगां कार्या का वार्यों पर्णाम न्यंत्रकातां प्रथम । क्रिकिंग विकित्त । काण चाका। मगरणां क्रिकेश्व । क्रिक वक्त करम । कि छामि क्रियां सार्य मा श्रीति क्रिक कार्यागां । भ्यमा क्रिकेशिंग व्यक्तिका गरमां रहा। क्रिकेश्व

इरव रदव छेरांच्यून विक करते।।

नेवादा बापूबीरक क्रमांद्री कृति गाक बाद्र। मुचवी खनरेत हर कित केशाय में जाना विभिन्न देशा शहरतत बीरत। कर न्यारिय के लेक-बन्निवीदम् ।। दश्याम क्षेत्र माम करण कम्किट । नगर भागरी के लिबाउ मक्त्र ।। परमाञ्च द्वानीतकात्रक किर्मान परमान । रक् निर्दि कहिता किन संदर्भ दक्ष गामिकाक शक्तिक रि क करवर हा । अपने कि नानात मन रेंदिन के बर्ड । के कांत्र व्यक्तिक इत्ये राष्ट्रा मध्य क्लवाजी त्यम् अधिक काणिय त्यमध्य की मुन्दी रत्थ कर्माल अकरि। बार्डिक माक्ट मास पा क्षि प्रदि। पद्धा जार इस कड़ा किस् जुड़ा विविधि अपने करन रथ क्षांचा मुक्किन अधिकिर करत पत मार्ची को स्टूटि को लिल सम्ह. क्रा कीवरन ॥ श्रांत वनी अपन नवी अपन स्थानित राज all gra wie brei bla u ann folien fefe tan aufen विकारि वार कर्म जन्मात्रक वर्गे । त्वक व्यक्ति त प क्रीक्क । बर्रामीत्र क्रिमे रहने। करमा हिस्से व करत् प्रश्ने मेनिया। THE MEETING TO WEST STORE THE PARTY OF THE P विकास त्यांक वस्ताकांत्र होता । ब्रिक्स प्रकार भारि वि

रगोगी देश क्षणां जाता का जाता नहते। या छ छ। अध्यम्भा दर्ग ।

अमा क्ष्म ित्तर्वित द्वावका प्रकार मोगमाभूमाता य क के स्वरणमा के बन्द्रजान किन्द्र उक्त माथ शक्तिया जात जिल्ला तो केशों के लोग कि कि केश है के लोग महा देशिय अर्थ वस्त्रिकाटल मनदल्यन २५, (स्त्रा) छाटम विकास क कोण्डल मक्स करिया कोन्यमा सुम्बन सरमाध्याका कर्णा में, गठ गठ मरक्रवंद होतक मानिका अने हक निर्मित्त। स्वार ारम खेळ का का मान के उद्दर्भात करि मुख्य रचन ल्लाकित, उद्दर्भाव भविके नामाक सामा । शक्तानि विकास ७ व्यक्ति, वास्त्र वर् ी, कपू भूगेखा, रमीमखा, त्यान, धुर्वामा, लिलीयन गर्न, क्या ्रांच, लार्चन, विक्रापिक, क्लान, नाधांतर क १२ प्रशांत क्रिक विक, स्थीतानिक बार्कि, लगान, व किशासा अपनी नर् नातक। विशिध नाक अवानक करिया मकरण ज्यामान्याम अ नाविक शक्ति कहा नावक काम अवस्त बाज विका नुकार ना THE THE PROPERTY OF THE PROPER TIVE THE WAR OF THE PERSON AND THE

Ben e alle Blen gate ellacore, cala vica sica विकास मरबालाजी अना भूग स अब छटक पूछा करिया मकरगड हा हरा अविद्यार, काम शास नामकने कुलाबा टाप शनिकी कीन यात्र पुरुष्टिक सम्बद्धिक कार्रिक करिया वस्त्र मान नेत्रकोत भारत्वाक कर्णकार श्रांत बादत मान्य बादल मान्य होशिन वर्षत क्रूरकात कविरद्दा महत्त भन्न रक्षात्र महत्त्र प्रक्षात्र अंद्रष्ट्यांक शक्ति कतिन । अख्येषु मनन वाणि समानम महीप्रि क्षि महरत कार्यक्षारक निजीकन केहिएसन ।

नुकार्याक्षक कर्ड्स क्षारकक निवस्त

अर्पाक्रमार्थ इन्यो जाकि क्या महत्त्वक्रक महरम मुख् (याची বিছাত্ত কুপতিৰ সভাক দ্বিগেকাল ক্ৰিক সহ সভাস্থাগ বেতি: मार्गिक सर्गटन व्यवान्त्रका व्यक्ति कार्य कार्य कार्यका किर कर व The state of the s क कार्बाटक रक्तावृत्त । हाब कि आन्त्रवा क्रिका ८०००-विमुक्त हरेका गायम सम हरेक र किया है करेका र उ होरक महाश्रमहिना स अगक मिलतर के किस करण । १३ व COLUMN COMPTUNE STATE OF THE PARTY OF THE PA TECH TO A MOTOR BY STRUCKS ASSESSMENT STRUCKS क्षाप्रवा अप्रकार अ। आश्रास्त्राय वेष्ट्रका कर्मारक वा बार PARTY WHEN IN STREET OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE EINTON WATER TO WIN THE WIN THE PROPERTY OF AND THE PARTY OF T Der rigger von einer gegen wern eferer ef and the controllers as an angle of the season of

ভৰ্দনাক্ষত। ও হরাবা পান্ত ভওবোদী তোধার নামন্ত্র আ क्रम कमिन्द्रकरत अवानिक दर भवतरवाती। लक्क दालमंदिरम अ ं उत्र रहेच। नतान अरिएड भत्र राजन, मखीमकार नत कृत निक खंडते दांशिय कोन चार्डि संस्थान जनामाचा स्वरहताने कर न सम्बद्धार যোগিত প্ৰতি অফিরা ক্ষি কলিভেছেৰ, পূমি যোগী : ভুডৰাৰ জাৰ্ট नमारिक क्षांच नक्षिणस्थि । देखा सांत्रशांण जिल्ली कृतिराजास्त व ुष्टनाव मनामिक जिल्हाच्याच यात्र कहित्तम। अभित्र कट्टम शृह् श्रुक्षिम्कारम क्लिजनशस्य लि: अप्रूम्य नारम अत पांधू मान करत्र **उक्त नवामायह क्याद अहम। मुभती उपनी प्रश्नाम पूर्व म**ीरद्र शय प्र का, लाब करि एकता बीएक सजा ए हरेश करताकाल दिवस्त्री তার কারাতে রদ, এতাদৃশ রূপদতী ইবতীতে একাজিনী বংলে রাখির ध्येदौरत दोरिका कड़िएक भन्न न १६: ४६६: ४क समाप्ती जिक्को कार्य भाषुत पश्चिमित आमिया जिल्लाए स्मिन् करें बाका साध्य कहार स्मि प्रमध् प्रकितिका आविशा मन्। तीह प्रतादुशाध्व निर्माद् तिविष जिका बांध मांड नमन करते बक्डिन करहा एक हमा । वार्ति क् कींत्र निरंतान, बरल माथु कृषि कडेकांत्र ता शृष्टिकिया अमान कतियाँ लाहा प्याक्ष कविष्यास्थलका भएउक इष्र,मनाभीज करेगोका खररणः एक स्टेंगा नाषु विद्राम बार आपमारम बालान हिन्छ नहाम, कार्य श्रमे जिल्ला कमा थांकि बारव करेन करिए। आधि किश्वसारम अनुम् जारा स्टेर्ड (ब्रेड स्टेररक महत्तरम डिल हरेला नारम (अकाम नार क्तिएक अहित्यम, अनाभी करह अन्य छेम्स प्रदेश ख्यामता बीन पतिराठ क्रिका विकित् नवानत्र करक् आंशनि क्रकाल धानित्वन वस् मंदकनारेखा अर्थ र क्षेत्र कृषण ठारि, त्रमाओं श्रीकार कृषिया विकरारे ानी हरेरामा, मानू नकान्यानारक शाहित्या हिना । ' करना रगरखा क्षा नापुकार्या कुनूमकरकोक विकेट सिचिया केनकात न्याय हरेना ्यून भारतिक तर कार्य वार्यक्रीय प्रश्नका पाठिरित्र विकर् are Gan William Brieffen um Cing eten in mit

ही हाटक निमन्न हरेरमन। अर्थे किन्न किन्न गर्थे एए पानिन। क्षिक श्रेम क्रिने खादो गरेश क्षिणीकर व त्राता। भरत शामायकापि देश भुद्धके मुखानिका कविया छेखम मखकी बहेग। बदारन मार् ४:-शिखरें वृत्र र जेम शिख संदेश सामन खारंग **७** ननामीन प्रदिश्तः विषे हरेत्रा बदल कांग्रर! अग्रेफ मरखानी धार्मिक मन्नामी जलकरें 'र बी ठरक चात्र मृष्टि इय नाहे, बखरिन त्कारन अन्यमधित नाम अक धीक स्थातन कतियां छोड़ानिरमत छरमात्म गमन कतिया। किसमृद्रसंगमः क क्रमशूरत छुछनाद मनागिरक छाक्रनाम पृथे इहेन, अपा-भेमाजिक राउहांत िकालन इसम्बन्धा करमाशति छिर शहिल १६ कि उद्भाग मंत्रिनी खाम यामाटल एउमान अंकडनाटल दक वे छे खान न निहर्तन, के अखहा का किए कर है। शस्त प्रतिम हिंदेरक बीधावात नक एक इ डिविन, उरकरन कुळनांच कामानि नद कि अनुवाह्यक्षित्तव के विवक्तां में विक्रिका कियान में सामित जा कर मिट्ट मगढ़ छ वर्षेया धर्मिमिट्संड धमालवृत्तनं कृतिया ज्यवेषाय जारेन, भूकंदर गहरत मध्य अल्लिक इंडिय। मेमीमी मिडेमल कार्श-किल जार ह कहिल, उपारके माधु नेवकांमा कहिया नंगन कहिल छ विवादन कर जुलावप्रह हेर्दनम छ्याप्र केर्यन्त करात नर्छकीरदः। ক্রিয়া গৃত্য করিতেছিল, উভয়তঃ খৃষ্টিপাত হ্রয়াতে বাশিকা के कि मन, अवर मृत्याह छान एक रहेन मिवस कारान छेश-প্রি কহিল দতে। তালভত ত্ইবার কারণ কি ? নতাকী কহিল আ-क बांकी महानद लूदर हिं कर के के विकास महास्थान विश्वादक. शांत (बांकरन बांकनमुक्तरंक दीवुको हरेता मुद्रा एक हरेन देश सनि পানে মহিতেছে হে প্রাণতি ৷ অখ্য কুঞাননামের পাণি পতিতা-क्षेत्र न्या एक देशार है, से महि बहुन कर बोलानकार लाच विहार । शाबारकारम केन्द्रिक विश्वास आदिक कर टोका व्यव गाउँ अंतर्रिक माम नार्ड मक्ष कार्य अक्रम अक्रम विद्रानन । गर्मा बोका जरार बाजा क्रिका स्वीक क्रांक व्यक्त पूर्वी জাসার্থঃ। প্রার । অগনে বিশাসি কেনিবাম ব্রহ্মগ্রী। বেতে প্রতীম রক্ষা করিবেক নারী। ভূজীবেতে ভূতনাথ চৌর জা কারী। সৌর রাধি সার বধ কি রাঞ্জিগ্রিও

त्यांनी डेडिंग अपना

नीत्रक्षदमानी हतिगयधनी इतिका काशिनी रहतेशानिनी । यसि मा प्रदेखी बाठरम भूतिक किंद गांत देवतागा किंद वानामि क्षाकि।।

व्यगार्वकः। दर्भवयोत्र अध्यक्ष कृतंत्र लाहनी। व्यक्तिम इत्यानिक नडान नमनी ॥ अधेक प्रकृति कृति अधिमान करता द्यम विति क रक्ष विद्यात्रामि करता ক্ষিত্ৰ বাংগ বাংগ্ৰা স্থাপতি নত নোনিতে রহেম এক সভাসৰ ক্ষিত্ৰ স্থিতি হৈছে কে বানিবর। তুনি বথার্থ আৰু পরিচয় ক্ষাত্র ক্ষিত্রেছি তোনার চিন্তা কি আছে। অনন্তর সদন তেতেছে বং কৃপার সদন্তে হতে তথ কুপা ভিন্ন অন্য অসুস্পায়নপু ব্রুলি পুনর্কার বোগী মোক ক্ষিতেছেন।

বিষ্ণাক। অর্থনেত্রপা মং প্রতি বিরূপা পরেতে কি করে অপরের কুপা না কলো। প্রিয়নী পতির প্রায়াসি ডাজির জীবন জীবনেতে পশি।।

্জিস্যাৰ্থঃ। পদার। বনিজাবিদ্ধপাহলে ঘটে যে বজ্ঞগা। জপর বিলে দলা তাহাতো মুচেনা।। পড়ি প্রেম প্রয়াস লাহর রমণীর: ক্ষুত্র ভাজিব প্রাণ প্রথেশিরে নীর।।

ৰূপতি অসম্ভাৱ রম বাগা বর্ণান ক্রোধে প্রচন্ধার্ক প্রাণ কিন্তা তি অক্তা করেন। এই বোলিনী সহ তথা পাষণ্ড যোগী দয়তে ক্রু পৃথক কালাগারে করাই জিতে শুখলা নজে রাখ মরপানা-ক্রু করবাল অভিজেক কারাগারস্থ করিকেক ভ্রমণীক্রতে মায়ু-ক্রুইবা

> ् वभरस्य भरत्र पाष्ट्रहीत विद्रह सञ्जनातं स्नारक्तनः । वानिनी शंकातः । साम ८७ वर्षे ।

कि करेण बगाउ जिमारा, भारतीक विकित गरेगी समरत। व्याकिन कुट्दा, धावरत स्थान क्रता, मदूरी बाकारत जुकूरन, बारू रमान मनम मन, खाशाउ स्कारत मन, मनमा बारू मन मन, मन महत्र।

शहातः रहमरखद्र कालकारम नगत छेपत्र। धनुदाक रेममा नर कालोर्भ मञ्चल ॥ उत्तर्भ उत्तर शहात मुर्गा छिछ। उद्दर्शत समि शृष्य काल पत्र किल्हा। छोरह शह्म समझा माह्य सम् सम् । श्रास्त्र शहात्र स्था काल किल्हात सम् ॥ शिक्ष कृत्य काली हेद्देश कालरम । काम स्थि काल मिल्हाक समस्या कृत्य सार्य कालम मार्थ क्षामा । स

मण्डमानुद्री व

पुत्री मोबदन बादक माधन मोधर ।। बहरनर निक्रमध करेत यह विनी भटनाकुक्टच वटक रामध्यात कुछ ॥ यहमे कुँदल औरन कुटले छुक्त में बाजा अ मधु बक्क विरुष्ट्रम का अटल खर्कात्र ।। अटब टावी एडिन उद् क्षणारम आध्य । धीतथ विश्विक्षंत्र विश्वि इंदेरवा विद्यंत । व्यवाना नर्य जीना वन कठ मेरव । कारक सबसी जानि बार्ल इरका मरछ ॥ छोडती াবেশ হরি করিতে প্রহার। করিন মাত্রল পিরে পত্রক বিহার ह ंडि धान बाब धानमारम् क्यां सिंगः रक्तिन्छ । सिंग्ड निर्ध्य प्रध्ये। ं अधिका । अवता क्टेट्य असी अक्षांत्र कृष्टिका । १८८४ । विक्रिया । उटकी ें र तृष्टिका । जुला कक्षि दशका शंदर इंदला उन्हां के से । प्रकार 10 के १५८म भारक्ष मध्य विस्तामितीको अञ्चलको अवस्ति भारक माधुनी आहे। अभि कूटन (क्व नवे) बटनिशियद थेएए । देन एक राख्नु सर्वा ं शि क्षित स्वयनि । पान क्लाना क्षित्र हु स व्यान अन्यनि ॥ संस्कृती ा रूपी प्रति मञ्जूषाय । देवत तन किन्नोके इंग्टबंह मास्ति शाही। े क्रिल **भारत अभी भूखा ए**ठा लग्न कालको जेमनीया कार्यासी क्षान्य । अधि क्षार्थिका स्था भागरम शुक्ता आहा। विश्वही जाले कोलि िए: १ **व्याना संकति** ॥ जनका स्टेश्य सहा रायम मा वाम सीमी। निष्यासी व व स्मार्क कुलिएक कुलाको । तम धन पद्धम रूटा स्मीरक्त चुनारमे हैं * का मानिका बक्के करह कुक्क बर्ग ।। खुछि बहु अजीरह छे ात । भारत काल महाकावकान्ता भग उपन ।।

श्रुकारक माध्ये कर्ड् न नावी दि छ।

লোল ভোটকৰ্ক। নমতে জন্মানৰ নিজা বি। প্ৰাণাতে ত ভ্ৰাইকান্তি । নাগ্ৰহ্মনালিকে লোগেন্ত-নোটিন। নিজ্ঞ ত নিজাবহালিন। ভাৰাতকৰাতা যা বৌলিমানিনি আনি ইন্যানালক বালিকিন জন্ম জালিতে জলিত। জনিনি । কি ত বিন্যান্ত্ৰৰ কালিকিন জুল্লাক ভাটিত কৰেব কিছিল। বিন্যান্ত্ৰৰ কালিকিন জুল্লাক ভাটিত কৰেব কিছিল।
বিন্যান্ত্ৰী আন্তিই পৰিক্ষান ক্ষেত্ৰালয় বিশিক্ষা

यसमार्था ।

निर्वाचितिश्चनं जीववरदरी।। जीविकं नागांक शंदरं यो प्रकृति। शक्षम श्रीकतं स्वतम ना क्वांमि॥

भाषुतीत छाछि जानी मनम् रहेमा करहन ।

ক্রিপদী। তবে ভূকা হয়ে শানা, বলে তন ওগো রামা, তব পা क्रक रूटर पहा। ७ माधुही शृक्ष रोक, कि क्रक देखा। हत, लाद का कि अना कांड्या । त्वरीवाटका रेश्वंश प्रति, भूटन हिनन मानुबी, भान सिक्क छोटर कोनीशम। बदन महा कति बिदर, शांक विक्रेरक नामिटर, क्रिया समरकत आन्याम । सम्बन्धतत सस्त्रतासः, तास्रात वर्धनेत करम, गटक गरी। नहिए। किकट्री। 'दरशांत्र विक गिलाह, यमन हा पड कार्यात्र, आक्ष मरम कटर (अन किंद्र) हिए त्यांत्र छेत्रगृत्, क आन क्षा करना भूते, अपि अप जैनलान संस्था। विश्व वास तरमाणून, अर क्षेत्र श्रीष्र सुक, त्यान विविधाद्वादे पृष्टुम्ब ॥ गर्भा माना त्व जाना-बिह्नाकाक विनाम, बामायुकि त्याम्नात्म्व आहा। क्टेट्स नामान क्ष्मि, कुरारका करेब लेबांग, लागुड ध्यकान नेराध्यक्ष । विकासिक ना विका करण महस्त अधिक, करियाभ कूल्य गमन । एवका करि 👉 किमी, एशे कुएटा अवामि, फैंश लग रहेल मगर ॥ देश 🗥 क्राच्या, मुक्तान शक्त अच्छा, क्रिक्रा मा व्यक्त बन्न सरम । सर्व अपर अ क्ष्माकरत वित्रिश्वाक, मधुक बाँछ शिक्क्षपरन ॥ इरध् १५० कारी त्यात्रभर्य मन मानि, याह नाति राभ डीमा राज्य । १३% विख्वारम, त्मना नारे अञ्चलाता, अञ्चल नाहि जीनवात्म ।। वी श्रान क्रम बाहिनी, भूरवह अधिकाडिनी, खाना त्मन त्मन वावहारह : कें बर के फिर्ट धरा, के विठांत कान शहा, तामा मुची आमाय धाशावा। भर विक वाक अन का नेरह मुदाय, इत लेड मावन लाउकी। यु" कुल्लाक बनी अपन रेश नाहि आति, नाही हात स्रोतनयां उर कार्यक्ति विदेशदन, त्य कार्यविशेष कार्यक्ष वा व्यापन अकार गण द्राप्त नवह रमा, ता नाहि कर कि कांग सकारत प्रकार पर THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY IN

वस्तवापुत्री

ষ্ট্ৰন কৰ্তৃক শিৰেক ক্ৰিটি। ৱাৰিনী বিবিটি। তাল শাস্তান

रायरक द्वाचे लांबरक कृता कवि जाव हवे। ब रेएड् इटेंग मार्ग निक छ नरक निकात। काहि रह शक्षि निर्णाम, कान मह छ क्षित्र, खिक्कि हरत मन्त्र स मका छम। स्मारत जाव।।

व्यक्तिमानि क्षेत्र । ब्राम्य (प्रतासन द्वार दार्गिय (पानि इत्य क्रेड्स प्रतास माध्यम् कर्णा काला काला करता । त्वार्गिय अस्कृष्ट स्वर्त विवयत । क्ष्मिम् कर्णानि स्वर्गित स्वर्गित काला करता । त्वार्गिय कर्णानि क्ष्मित । क्षार्गित क्षार्गित क्षार्गित क्षार्गित कर्णानि क्षमित कर्णानि क्षमित कर्णानि क्षमित क्षार्गित क्षार्गित क्षमित क्षमित क्षमित क्षमित क्षार्गित क्षार्गित क्षमित क्षम

उৎপরে ममाक्षरह चिति।

त्मिक्षात्म नकत सहारः क्षणकाय नामना स्वानका का देव है।

क्षण क्षणक क्षणक जानान महारे । अध्यक्ष द्रानित देनसे प्रकृष्टि
क्षणक वर्ष स्वानका । त्मान क्षण जान कर्या । यन जानिका
प्रवाक ॥ जिल्लाम एवं जिल्लाम । व्यक्त महारे क्षणि नवा । यो क्षणी जामक स्वीकृष का स्वानक। व्यक्त महारू । विकास वर्ष के स्वानका । व्यक्त स्वानका । विकास वर्ष के स्वानका । विकास वर्ष के स्वानका ।

श्रीतः। नवर्षत्र चरकः वयसाकृत न्थारकः। रेग्यरोगारक देखात्र द्वार करनेत्रः। कि उम्र रहात्रात्रः क्ष्मि एक अत्र करकः। रुना कर्षत्रः गृत्य स्टेश्य निवृक्तः। दक्षत्राका सक्त कालि सोसक करनेत्रः। व्यारक्त

हा स्थार व्यापन के जानी। क्यनीर शासन गरीए इ SECTION OF THE SECTIO विश्वाद । करकार शक्ति प्रति समान श्राबाद ॥ अस्त मूर महीनान किया कतिरंग। कोत स्ति शक्यक्त किक्ट्र धन्निरंग।। स्म रश्मीत हित होगा लिएव वस भूरिना। मंदन मा खासारत सम मसरावत सरसा। क कीवनावित विव क्रम का का का कारबीटन रवांचा बरवज वक्रम बूठा क ক্ষু স্থাতর হাতে পঞ্চতুত হারাইবেন বিবিক্ত কর্তুক নূপ সধুংলে विद्याः निक्राः वाएत क्षकश्रानं कृत मृत्रे स्त्र । अस्त कीत शर पून विकास गर । जीम बदस मुनिसात विरक्ष रहेश । रापार्कत शक्ति-कार्त् जियाना उत्ति ॥ क्यान् राव कूश केवाद काद कछ। कार्तक कर निरंबेट्ड कामा रेटरा ग्रंड ॥ बुडाइ ब्रामरङ तुम प्रजास विभिन्न मित्र छ-निक जांक व्यक्तिरक चारमनिन। कर्मा स्कामनान इहेन राजाक कि वश्र के क रोक कड़िन ममछ।। बास्रा बरम अक सन सहाबाही लिया आहात कड़िश देगारत वश्रक्रण क्राणि । वह जाम मणीहेर विकास सन्। निर्देश जीवाह दश्स ब्रह्म व्हर पूर्व ॥ ब्राउ अनि निव प्रवार प्रमा कर कर उस निरमा स्म रम प्रिया विमित्र मद्या उन गरहक जूथि। विगीरत माइती शकि देकर প্ৰকাপতি। একণে নভায় যোগী আনহ ৰতনে। ভোষ ভাৱে সবি-विषय प्रतिक प्रकर्ण । अहे गठ मुख्ति कडिश्मम् सर्वकार । बेक्सामप्रतिन हरू केरिन दास्था। मन्त्रांनी स्मानित्य आका प्रतित्वन सनि । विकेश-नि बरण रूटना व मुनिरि ।।

बाका कांगामार द्यानिस निकार विकास

प्रकृषि वर्षां कार्या कार्यात्व कर्म कार्याक्व स्तरं विवास कर्म (द्यानिक वृष्ट्या, (क क्यांतिक क्यांचि क्रवांग्यासे के क्रवृद्धिते स क्षेत्रक क्षेत्रक (त्यव क्षेत्र) विवास स्वयुद्धार गाँविक क्षेत्रकार। यह विवास क्षेत्रक स्वयुक्त स्वयुक्त क्षेत्रकार विवास क्षेत्रकार क्षेत्रक

रहाबदक छेटनाक हा दिशा कांबरनाठम्टक छेटन नाम कवि लोकन रतासा अधियाहियाम कीमृत र जीता भारताम अन्तर्भातान खरा भीजनाइक स्ट्रेनाम । अटह श्रदम खाधिवत चानाई कर्नेक कटनवद्गरः। নাপনি অকুজোশ প্রকাশ কহিয়া পরিত্র করুন্, এ কপ্যাপীর অগ রাধ বর্জন করির: গাড় অংশ চমঃ গংশন অসন, প্রকাশ করেন্, শাভিশয় ভূপেত্রির বিশ্বভিদ্ধাল্য মোরিধর মধ্য y focs নির্ম্মালস্থ কারেন্ত क्षिका हर। क १३१दिल क्ष्कर्य साम कुरलाली, निमंत्र कर्याम, बास्टेरखना स्नमा रिवि अविधि कविधालमा, जाए गाँच कार्यन, मुन्त कि सम्बं ভাৰত্ৰা সংখ্যাতিত হুইবেঁল না, কালুৰ অক্ষাত হ' পালু নাৰ প্ৰ' গাকি B जिलेशामधात इहेराहि : व भनाम् मः । कः साधिक बहार मान् कः कताः काम नांस रहेन। ভार्तार निरंशा कुछ वृद्धिकालीय अभिग्रहांक्षण रहें কলস্ক আভিরণ করিবাছেন, ইফ্লেস্টিক তেখুন শথ হা চাংলা ১৮ছেই ৰুৱাত চিক অহাত্তণ ভাবে দাপামান আংছেন, ত্ৰচন্দ্ৰ শ্ৰেছ উপন্ধ ख्यदर्भमू स्रोक उक्षद्रभविन। मृत्क छफ्त सूरा उली भेराकदर कर का कर अहसून ভূপতি আপন আশ্বল্ধ তাহার পতির মৃত্যাহ সং ভ ক্তি নিম্নত চিত্তে थनागांक विश्वन, तमानिनी मह त्यानिक्य निश्क करिए शृहातक विश्व करेग्रे तीका गर्कामप नक् गर्काय नयस स्वित्सन, उपत्य मुलास्तर्व न विविध छैल्लाम वारक्षामाम क्हेरक नामिस अ उरक्रान कुलभून्याकिका सन् क्रानिव्यान । वदर, छोहारक कूच ब्रीकाल्याद्व श्रीवन्त । एक्षान्य युव्य-वक्षा कि छात्र। काउन, जिनि कहिरकन श्रीमा छे छ। लाई प्राप्ता स्थान **হইয়া থাকে তথাপি পিতৃদত্তা কন্যা বীত্ৰ**ত দলে পৰিলেন, পুলোহিছেঁ। विका अवनुष्राह्या महत्रक्ष बहातास हिएस स्नाट्नाफानेहर ने हे सुर्वाधि ৰেপলিতে লাগিল, কক্ষেত্ৰভুতখাৰাৰ ভট্টকে আনিছ, ^কাৰ্ক্ডাৰ্ডি पूर्णिकितात निमञ्जनिमि भा क्षेत्रतन, द्ववाव वाक्सिकित अभिमिर्क नरहत्व दाखन जरमहम् मछ। निर्मात क्ताहरमन, खन्न हर्न हिल्हि, श्रारम श्रारम केळ त्याक (चेक्रभीक केळ्क वर्न उपूरक गरमारेड ह्या-ज्ल युक्तिकार्थ योगाङ्ग कांग्र (बाक्त लाहेर हर इंडामून मर्का मृना देश या वासर मेका का बाह्य विकार एक अलाना जिल्ला नीव एना The state of the s

अध्या राज्य महाम वया रक्षण जारेन नः किन् देश दक्षितान. कार लोडा सृत्ना अधिक गड रहा करा।

यममगाउँ विवास।

রানিনী সুরকী। তাল কথ্যানি। কি উদায়ে সুন্দের উদয়, চুন্ত আগুড সুক্ত সময়। অভিনয় ভাব লাভ প্রভাগ বাভিয়ে উভয়।।

विश्वविद्या मुमडा कियान, सट्ट्र विश्वान, सवान नवान । कियान वेक कर्मान कर्मान । कियान वेक कर्मान करा है। विश्वविद्या । स्ट्रेन विश्वविद्या । स्ट्रेन विश्वविद्या । स्ट्रेन विश्वविद्या । स्ट्रेन विश्वविद्या करा है क्या क्ष्ये । स्ट्रेन विश्वविद्या करा है क्या क्ष्ये । स्ट्रेन विश्वविद्या करा है क्या क्ष्ये । स्ट्रेन विश्वविद्या करा । स्ट्रेन विश्वविद्या करा । स्ट्रेन विश्वविद्या । स्ट्रेन विश्वविद्या करा विश्वविद्या । स्ट्रेन विश्वविद्या करा क्ष्ये । स्ट्रेन विश्वविद्या करा क्ष्ये । स्ट्रेन विश्वविद्या करा विश्वविद्या करा । स्ट्रेन विद्या करा । स्ट्रेन विश्वविद्या करा । स्ट्रेन विश्वविद्या करा । स्ट्रेन विद्या करा । स्ट्रेन विश्वविद्या करा । स्ट्रेन विद्या करा । स्ट्रेन विद्या करा । स्ट्रेन विद्या करा । स्ट्रेन विद्य करा । स्ट्रेन विद्या करा

(वाणिक करें। बुक्त व वहमस्त्री।

वश्रम जिल्ही। उदम नाहरण कृत्ले, किन्ह कामकेक्ट्रने, विहाह वेड्ड्रेक्ट्रका त्वालित केकड़े। जिल्ह तक कहें। इक कहें है महत्त गर्दे । कृति कामका कि भाजिक हिंगा कहा दर्शातिक विकास केना के क्षेत्र महिना लाक, राज जिक्क कुल्लाव, कि खाकड़े। कहन दिक्क काम वह नहारत के कि त्याजिक हैं कि विवास के कि तहार में कि । उदन काम कह नहारत के कि दर्श के कि विवास के कि तहार में कि ।

(बांबानि कति कश्चम, खरे किश्व देखा, मजनारबाद बाजिये अनिया विवाह महित्यात विष्टु काम अहै, वाकारमा महिल्ली करर मजिनीउनम्, जुनारम्म जीका मन्न, कारोम् कि आहेत और प्रीक तक श्रीत छासि वामे, बात समा छीर्वताम, मिकाभा इडेन मल्युक्र स्थान मधात वहम, इमस कहिलाहान, मूल्य वह मृदि हरेग। जूलका मचारहांत्र, भारत अभिक्त मामा भारत, कात्रीप्र कांत्र गुड़ाईन । (**त्यांनीतज्ञ** त्रण, कृष्णा तज्ञरत्न (दन्न, ननंह खत्य प्राप्त । अक्ष यांद्र मारक, राकि स्थाद असामातक, उक्तार बंद केन शहल 🔻 कामिनी (१८४ वराज्य, इत्त केळ करत रणाधा, भार्क) धना। शृगावर्छ कृतम कावी कमर्श, छात्र (य मानिमा नर्श, एहम खनाव (भारत शक्ति "अवस वनन किरन, विविध উधमाइ शहत, लाग नाम शाबिन शुद् ^{श्रा}**णानि ४७ शुंब्रवानाः, संहोत्स वत्र**ण कानाः, श्रूपण नरक्ष पद्भार करमा। 😼 करत कमानाम, व्यवस चार्ड तिशाम, उद्भाव इत्र जी-क्रांनित ॥ व्य ১ বাংকা ব্যাল করে, কেই আলোড এইছাংব, পুঞ্চ মত চোর আক্র भुष हत्ता खन्न शोक, बाधिकाश अनुनाह, करव्य रे कि रिनोइ मभाश्च भारत, मुनक्का रुद्ध अपरत, अभावता दिल क्य

> कार्मन साधुहीत वानद्य मध्यम ।
> तार्मिनी देख्यमे । उत्त आका।
> स्टब्स् मध्य स्वाधिनी वर्ष कि हिन मा मदन। एउन् मान स्वश्व कवि निरम स्वतम् न स्वरण । वरण विस्त्र यत्र ककः, इर्था ध्यकाण श्रित्य, जात (यन विरम्ह) मस्, अहे रक्के स्वरक्त स्वरम ।।

केम क्रांति हुन। राजद नार धार्ता । तन हुन करह पुरती मन्त्रा। कि कर द्वामाय कार वास गर्न । मेनिस प्रश्न वादा सर्वामा। कृतिन क्रांत (१७० जरकात) क्रांतिल प्रश्न क्रांत क्रांतिकात । क्रांतिकात क्रांति क्रिक्श प्राप्त । त्रांतिकार व कर्म कलाइ।। क्रांतिका क्रांतिकाति एवं विश्वामा स्वयंत्र कर्म नाम स्वरंग । व्याप्त क्रांतिका क्रांतिकाति एवं विश्वामा स्वयंत्र क्रांतिकाति ।

कि किना चहर स्रोटक स्मीनरता। यखना भार कृति विषयात विष एक प्रकर्म गरि। स्टब्स् मार्ग्ड जूरक क्षे नांश्रेक्ति इव धनावाधन। या नाधन वटन भाटे हावाधन॥ मिनिहत तक्कन करत करत दियमें में मीन कांग्लान दिस करत । विकि র গতে মুক্তির সময়। অসময় বৃক্তি নাহি রসময়।। সুবিধি করিয়ে श्रिममग्र-। तिथुक्तम काल विभूव छेमग्रः। वन दि स्वाद लाटन ठटका-हो दितिएस हिमा॰ स लादि व्यामिति।। ममक कम नखे भनी दिन्न ম। করি কলছ কোলে কাল চরিলে। মাধুরী কয় ও লগছ ভূ-িক্রি নিতা এ হউচ্সা দশ্র। তুর পণ গাঁকাকে মুখাসাম্ম। हिन टब्बमायत दिरक्ष वनन्।। नृश्य स्थम संदर्श अन मोधुती (अनः) 🖥 কাৰ্যে ক্ৰেপ্ৰিক শ্ৰিয় ওচ আন্ত ৰৰ্দ্ধ কৰে কৰোলাবলৈ ক্ৰি ত হত কুবাক উপাব্যা কা নিকে এছে তেইছিলী ছারায়। কিনে ब्रिक्ट श्रमण भारत्य चिक्र क्या अभि जिलिएक माणिख । मेल मधी প্রিক্তে কে জাগতে। ক্লামাধ্যে কলিছে পাত্র কল। অগিনা, অন-इ.कि. जारह रण । रक्तमण्डम अजैरक सर्वित द्वाक्षाव , बाजीक সিতা হয়ে নাতি যায়।। পামি বৰ্দ্ধ থাকিতে এ পিঞ্জার। যার কন্ধ क्रिटन कुन कुछन्य । अभागी देकन खन्नाना आक्रमा कक्षणा व्यापान प्रकार । अवस्था का का का शासा भूगा का भव बागत

> ्रक्ष्य भाष्ट्रकीकं भूगः बागत कृत्येतः स्थारमी मसरमाध्यिकः

हर नर्थ भूगा धम देखित हरेन उनास्तालामिक मन्ते कति रिक्ता सम्य कर्ता भागा हर्मित हरेना मा, साम्य स्थित स्नामकत्म करि विकीत बांक अन्य हरेनाम स्टेब्स्ट स्टब्स स्टिन्स क्रिके स्थाप ग्रामा हर्ग भागानित्त कर स्ताम मुख्यान रहेना हर्मा स्थाप ग्रामा स्टिन्स भूगाक्षम रेज भगाम भागा हैना स्थाप महि ध्यापिती स्टिन्स मुख्यम रेज महाम भागा स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्टिन्स हर्ग हर्मा स्टिन्स स्टिन्स स्थाप स्थाप स्थाप

यक्नमाधुरी ।

. क्यांस अमान कृतिया मृत्रिक्षकंतर श्रुक्का हरेना मा, हितागना किर् উপবাদীগণকে সৃষ্ঠিদল পারণ করাইলে যে কল ইলাতেও সেই দ্ হয়। মৃলোচনা পতিবাকা অবণান্তে সানিক্ষা ভূটা, হইছা হোড়জানর মনাকহাসা করিয়া কৌশলা মৃত্তে উন্তর করিতেতে , হয়ন প্রতিক্তে চ্যুত্ত ছইয়া সম্পত্ত ঘটিন ওখন উপনাধান্তে পারণে হং প্রাণবল্লত মৃত্তাত কি আছে, অফাসের জীংল দোৱন স্থানের পঞ্জান নহা অধুন অধিনী প্রস্কার্থনি ক্ষেত্রি ঘটিলার বিশ্ব কি চালি তেছেন এবি আপ্রাণ আপনি ক্ষিণ্টেন্স হালি লাভি চালি ব্যক্তি করিয় ভবাবের নায়ে প্রাথমি বিশ্ব ক্রিয়ালান

न्त्रातः क्षित्र अप्रदेश । अभाग सामा सामा गान्ता परिवास सामान्त्र । अपन भारत भारत था। माँदार । का मार्च १५ । है। विश्वास मार्च (म आरिक्षाण्य १८८४ व १ । १०३ ६, १ म.च. । विके म स्वत ६५६ ६ क्षिमचोरक . उन्हांका विरम कुनुरान्ध जाना हते जिल्लाहर साहित्राहर्ता हार्षकृष्य मन्त्रां विकित्त चक्केंग्राच क्षेत्रां प्रत्यां कर्षा विक्रा विक्र | 中で下寄り や. 4 | 写真な歌 帯でかり | 神中です カイン・スペット かてき 内閣でき मुख्यत्रकादान् (क विभागी जाकवि । सामकाकान म गर ०० कालका भ (बुड़ी कफ ना अतिक स्थय **स्**यक्ता । 🖂 पाद्र १ ४८४ रीजुर होसांस **श्रेत्र** इसकी महिन्द्र महिन करिए ए महिन्द्र महिन्द्र । अनुस्थित हे अह स्थापन एक स्कृत शास কৃষি হোক্স শাভি শতি ক্ষামি তব সৈম্য। তব বংল করি বল ভাগি বন শূন্যা। শধ্রারি শবি দেখাবেলনের ডিল্লারে - টাম্পুর নটি টিমা **मटक् मुक्ता टेक** स मधन ५००० (करह अब ५७०० हा १०००) । ते तर्रात अधिकार्य शक्तित्व पूर्वतन्त्र । अकि भाक्ष माधुनी शक्ति वरण १ । वृधावात्त क যামা বাবের নির্বাণ ৷ তথ্য এর পদশত তালা স্প্রতি পরভিত্ত কর कीक करित सर कुर ।। अवह जा मंद्राके दवाना छ। बटना । यटन श्रेषा के कोखा नरह मने अरमा।। এত रनि चिक्क प्राप्त मुख्य करत करता। 'स्ट्र धनी तमरनएफ हिन्द्रिधनि करत्र ॥ अक्षरिक हत्य स्मय स्मर्थ अक्षराह्री क्ष्मान खाबाद्ध वस्तु निर्शास खड़ात ॥ दलाव हिनाम स्माट जीमा जानी दे १६ अध्य क्या श्रेतकारक श्रेष्ठका छेनार ।। अनन वरण विकास से

हरू माधूनी। साहत्र ए रेश्वंज्ञ्छ किएम थिवंज्ञ थिति ॥ बीकुछित्र १ शरक कच्छाडा मिन छन्न । निर्माण करत्र क् भारत अथम जनक ॥ छेमा हत्र इन काम किएमड कुर्व्वत्र । कुल्या एक नामा हत्व आ स्ट स्ट क्या ॥

মদন মাধুই (বাকছলে রভিক্রীড়া) রাধিণী বিভিন্ত (১কা।

ঁ ও করি বিনয়, যদ ভগ্রণয়, ভোমার জ্বনাদে এবাব চিৰক্ষীণী হয়ে রখ।

किर्दाणम् खन भारतः, ८,४१८५ द्वारमण्यारम्, विश्व राय भारतः भारतः, रिभागम् साधानाः सम्बन्धः

अधामविद्यालिक सार्वे अपने अपने अपने राज्ये । अस्ति देशकारियां, सूत्र पुत्र विकास বে। ইইড অন্ত, কি এটো সম্ব, জ্ঞার সক্ষমী দিলে। সংখ্যে ৬ ৮-कित, नरंग फिल्मांन, रिप्तांन फिन्म ए किराया। जन्म देश भारतिका, (म.कि. অধ্যালকা, ক্ষা সাহস্থা বাংলালে ও জনে জনাড়াল, বংলো প্রাণ্ডা, সম্প্ **छ हैक अभी** १ करांक **भु**सन, कारमध्य विश्वता, कि कल स्थ करा, करि ए मिन्द्रिक तथः, १ १४५ हिंद स्टब्स् व्यक्ति साहस्य द्वितः। अत्रहः करमः। तसः का शभा कि देव। 😭 - अहर वस्तु का प्रथा, है अल का एक का का का कि संध will alie. Morro winifiglica, which collected <mark>क्षेत्र काक्रत्त, मा</mark>हिना सक्षरभ् राग्यं स्थ्य का सिक्कम १८ की कि सीक्किय ४ विद्यारचार्य, मनमार कार्य किता । पहि कारमारचु, क्रमास जासाराः, विक्र काला कुछुर दी । कठिए हा हो तो, खारिस व श्वि, खनशादी । अप म। इत्य क्षंत्रकर, नाभित्र इक्षत्र, अत्थात् विद्यक्षिक्ताः मन् कार क्षांन, कडिएस अवान, यस खान्य श्रृहाकेरत । विरय उद्ययतिक्, जोहि अविश्व. चटार्थ देन् धनांकेटन १६ अविश्व समन, कृति इमकारिनी । निष्य प्रशासन, जार खारनवृत, बोदलदश्दिनी ॥ यजन জালা, করি জতি রিদ, ইন্ট্রিগ রূপে মাজে। ওপত্র প্রেম্বনি, রতি রূপ ति, जन करत लागि भारक ॥ क्ष्मत्यम् प्राम्न, क्षां क त्यामकाम, त्याभ-ক্রের রক্ষেণ বিজ্ঞার কয়, উভচ বিভয়, হয় রভিপ্তি পক্ষে।।

The second second

त्राकात निकटि ममरसंह शतिहर ।

পরার। এই মত কত হত কেশিক বিশেষ। কামিনী ছাড়িক যামিনী জানি শেষ।। নিশিতে রমণী ভূষে প্রভূষে মদন। উপনী হৈল আসি ভূপতি সদন।: কিক্করে অফুঞ করে মহেসদ রাজন বসিবাহে দিল ৰজে রম্পনিং হাসন।। সভা দংখ্য বসিলেন নৃপতি অঞ क्किंगन मध्या (यम न्निटक भन्न गन्ना। कृष्टा कृष्टा कर्ष्ट्र নিশ্চয়। আৰু তত্ব সত্য কৰি দিবে পৰিচয়। নাম ছাল জাদি ম कोन करलाहर । कड़ मिन काल व्याल न्यांगर हैए जन । अन्तरक कति च्य लागेरव कि काकि। (जासमाद्ध इत्ने किशाम, वर् स्थान ে চ্ছ সে হৰু বাঁপা সৰ মধ ছাটি। তঞ্চমুখ্য কৰি বহু ওক্তমৰ বটি পদ্মীতাতে স্বিশ্বে रहेडी लामग्र। निकार्ड हे एक रुक्ति रग्नमग्र কাম্পক্তিপথে বাধ ীর এছ রাজা নদল দ মোর নাম হ**ই** ভাঁ**রাক্ত** यथन रामक देवल भारतमान्य । कोपर्थ कार्य, प्रस्ती अव कहि भारतमानी বত এম খাৰ হই ব্যোগদাবাদী। দল্পিয়ান্দ্ৰে সেবা মনে ভালবা . দৈবে এক ডি**জ**্কাত পণ বিবরণ। আনন্দকানন হাজি সংগ্র কারণ্ড एम अप क्रिया मिल करनाम एकता । यम खाएम निवास निवास प्राप्त প্রতি মাত্র প্রসাহ শীহরে। স্বীয় ভাগা দীম, নাই হরে হত करता। यथार्थ भावेश खामाछा । न वहस । वरन भूति भूक भूता हि। ষে সঞ্চয়।। মানে গুণে শীকে কুলে কাম্পত্সের পতি। তীর সূত হই। ষে মম সুডাপতি।। পৰ ধক্ত ধন ধন্ত আদি ধনা হক্ত। যে। র প্রতি এম পতি इत्तम ध्यमस्।। वीत्रवाधः महात्रीक देवत देवताहिक। भूरवरा যাপন্তবে আপান অহিকা। ওৱে বাপা বিটপতি দুপতি নপন। कानि किञ्चरत्र करत् करत्राख रक्षम ॥ एवं लोग मोब्बरी कृषि कर् 🕸 চিক্তে। কুজন কুলাকে। সক্তেছিলাম কুকুতো । ছুচিল আমারে বিধিয় বিভ্সন। উঠি মধন বৰ্ণণ করছে চুম্বন।। সূথের সমুদ্র বার্থ ছাবের লংঘন। শুভার জানাতা দোঁছে করে আলিজন।। नाहिक नीमा कक दर्भ घटने। बाखाकाटन दर्श वन कटन शृश्चिएके হরি হর্ষে বাজাদাবছপী কলি: বংশীরটো বংশী শুরে গোপিচিছার ্বটে।। ততোবিক হর্ষ সহচ্চেরাজ হইল। প্রেমার্থির সূত্র ক্রিত স্বাধিল।। তাল ওছে ধরাধিল বলে বিজ্ঞাবর । এ জামাতা ক্রিত ধর বরে ।

্রিক্ষিক অংদণ গ্রন্থার্ক ভূপতির অসুমতি প্রার্থনা ও তন্ত্রণ প্রাণ্ডির আক্ষেপ।

नेशा, छेख्त मान: विश्व महोद्याण खरु महम हुलेखिक काभ्र क्षि निरुक्त कतिन, रह महासु क मराना आर्मात कर मकन. किथियक दिवरक विवय किथा। रिविक्टरराम एएम एएम अहतक निक्देशाहिन अपूर्ण एवं एक नवकात प्रदेश ५विन, कार्य अव्यक्त हैं अन अर्थ करा अनुसास महिलादिक समाश्रीका वस्त कहेगान महिलाह **নাত্র ভাবের ভাবিক হইলাখ, অভন্ন** লে ব্যেপনীচ্যের। নংসার**াঞ্জ**নে প্রথাকিয়া শিতা মাতার শিলাগাম দেশ না সরিবে ভাষার কেলে ভই দাদশাস্থানেন্ত্র কল সংগত বিভাৱ পাইলের আশা ক'টা ब्रिंड (मध्य, (सम्बद्धी अक्कर्युर्वशन् सर्व(क्रांश्व सरीय है । क्रम्म स्टेश्व विवर्गाध्य, तत्वामि अवेशक भूतिन अधार । मीवाराण व्या क्र **ট≗ব আছার মন জ**ন্ম অনুষ্ঠির জীচরণ ও **ভালভূমি দর্শন**েব **बार्ड वर्गा**र्जिक १४, ११३ स्वीत द्याम प्रतिश्चे भ्रमे**न्यस्य कवि** उ . **जारक** २ त. ा. योत वर्षत । श्रेक्रम कहिएक स्टार्थित (क्रीक्सर को इस स्विमि प्राचीर के बोर्ड कायन के पिता क्षेत्रिय योजन। बीरबंद जल्दन खान करियां शिरमम बारिन ही हात शिहदराव समारकी इंटेबे प्रतिर ल उत्तर लि मक्ष्य कविकाम। देव सम्बद्ध । अर्थाही-के बाकिएन भिड़ा मां जो रगता प्रशासकता. जालिन किश्रिर जन-পদ্ধিকাশ করিয়া গমনে অসুমতি করিলো আনি হুতা**র্ব ছই।** শতি আৰু আৰক্ষাণতির চুন্নত ভারতি প্রবৰ্ণ করিয়া কাউরস্বার किर्फेट इन, के बाल भगन ! निक्त बाका कविया जानाव कीवमटक हिल्बि रहण छेन्त्र हरेरन ? जार्गात मामन त्याबाहरू किलाय নিৰ্বাহী মাৰিয়া অসুকৰ তালিত আগতক দীতল কৰি। সমন

War State St

लाहित । प्रमण न उम्हादा करिया भाग । मास्ती र क्यां मार रक्षा निवस्त । क्यां मार रक्षा । क्यां के क्यां के स्वर्ण करिया । क्यां के स्वर्ण कर्ष करिया क्यां के स्वर्ण करिया करिया । क्यां के स्वर्ण करिया करिया । क्यां क्यां क्यां करिया । क्यां क्यां क्यां करिया । क्यां क्यां क्यां क्यां करिया । क्यां क्यां क्यां क्यां करिया । क्यां क्य

मिति । पूर्विस पृष्टित विस्थाश्चा हुई निन ॥ यदि विदि महावाश्चा विस्त शृहित विस्थाश्चा हुई निन ॥ यदि विदि महावाश्चा विस्त शृहित विस्थाश्चा हुई निर ॥ यदि विदि महावाश्चा विस्त शृहित विस्त थाक वस्तु बई निरवणम ॥ मानत निश्चित्र । विश्व विस्त शृहित विस्त शृहित शृह्य । शृहित विद्या विश्व विश्व विद्या शृहित । विद्या विद्य विद्य शृहित विद्य भूति करत यह । विद्या महित हित विस्त भूति । विद्य विद्य । विश्व विद्य शृहित विद्य भूति विद्य विद्य । विश्व मित्र मित्र विद्य मित्र । विद्य मित्र विद्य शृहित विद्य मित्र । विद्य विद्य । विश्व विद्य मित्र विद्य विद्य । विश्व विद्य । विद्य विद्य विद्य । विद्य विद्य विद्य विद्य । विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य । विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य । विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य । विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य विद्य । विद्य विद्

क्षाममन ७ जेपापुनीत क्षाकामाझ्यम विश्व ७ समस् गापुनीत गहिल खामका गमन । च्यानिनी दिनात । क्षांत क्षाका । नाव (१४) व्यामिति, मधा द्वांत्रका मह स्वाचन केंब्रित । ना दर्शका के भागित , दश केंद्र विश्व क्षिक्त , विश्वस्त्र क्षित्रमीत १८६४ में मिकि ।

जिमिने। मण्यको त्यास्य कवि, मृत्यक्त कृति सर्वती, व्यक्तित्व हेग्रा मनन। व्यक्तिकां कि भूत्म, निक्क वत्मत्र को कृत्व, केंग्रमीकें गिक मनन। व्यक्ति कि एक हा, वर्षा मालाव निकाद, निर्देशन वि किहत्व। व्यक्ति पिक्रिक्ष, हरणां कृत्व गितिष्य, माधुरीत मरक् ते महा। मरनामस्या केंके जान, सम्बद्ध मृत्यकांन, शतिष्य निव स्य ति । विवासिक्ष्य वाचे, यनवी क्रांकि ब्रह्मांच, कि हिल्ला मकन विवासिक्ष जानिष्य जानिष्य कांनिका, जानाव जानाकां महना, कर मृत्य विवासिक्ष कांनिका कर्मा महन्त्र हाई शतिष्य, क्रम कांत्र प्रवासिका महत्व व्यक्तिका महन्त्र व्यक्तिका क्रम कांत्र वा

र्मनभाषुत्री ।

कार्डन। यदत यदा जारमाजन, रव देव स्वरा ध्येटमाजन, शिक्य निमित्रिन।। जरव भरत नवनाम, जूरच करत जिथिनमें, करता कीर् छात्र मछ। श्रेट्स विवारण्य मिरन, ममन रम ध्यमपरम, रतमक मनमछ।। जारताल कि यान, नगत सितिरण गान, जरण थात्र वाषा वाजि। वत्रयाद्ध भारस श्रीत, लाहे। श्लायाकानि शरत, रक्ष रकर ठरल वाकी। कितिया गभस श्रीम, श्रीस तरम मित्रियाम, छे ब्रेटेस मनवा। कर्नामाण खील्याणांद, वद्यापि कुलायान, कित कर्म ममालेगा। श्रीमणक छेवाप्त्री, अत्र क्रमा श्रीम द्वितामार रहेत करिया मा सरक्षक श्रीवर शिका प्राप्त क्रमा क्रमा क्रियाल क्रमा अरहा कर्म क्री क्रियालक श्रीवर शिका प्राप्त जम्म स्वार्थित क्रमा क्रम क्रमा क्रम

निमाक्ष्म । १७ था। १० मा काँद्र लग कियान पर व्यवस्थित सरा प्रश्न क्रीवास मिल्लिक मुक्ति करेताहि । १००१ । व न्यापा स्वादास उसके प्रोड़ाण, जाकाद करार जुला कि राद्र । हेमाज रहेज 🏻 🖟 👼 🗍 अस्ति । यो प्रमान के में हे ते के असमान के बाद है था। । असे में बाद के कि ्र थाननाहरू। अधि व अभागा (वशास्त्र क्षां **५ वर्ष करून्. अपि** ित्र शांकुकाल निर्म ज्यातन, अध्यक्ष कार्श व्यक्षकाच माहा कहिए वास्त्रिक बाहेगान बाबीटक मधीरल आंका १ भाग गड्करत, खा तराबन रह किंद्र राज मध्य प्रसारमध्यास । 🕾 🛎 🗸 ्रेटन किंद्री कातुन महकानीम नास्त्रीप्रत करत कर १००५ छ छ छ। म एरकानीमी दर्शन करने क्रिया मा। दर्शनात्र अप्तानितः । अध्यक्ष एक म भव अवर्थ हरेगा आयोगिटनंद प्रकृष 'राजना अ अदिहस अ**धारश**े আণ বিয়োগ, যে জনাচালে জতান্ত লয়ানক কারাগার্ভ করি যাদৃশ স্থীরাব্রের ধারা রাষ্ট্রর লগাব হ্রণেতে ত্রালিত জামানি नेयत ज्ञात ज्ञानिक कतिरमन, शरत अग्रान कृशारान स्टेप्र। व তির সম্যাবাণ হইতে আমাদিনের পরিত্রাণ করিলাছেব। একং ं भी देश विभाग कहेता. देशांनी साम खाया हो विषय मामांकी कान्य

शहराज्य, मृष्ठिन त्रमविहीन सम्ध्रा वाकाध्यवण वासको वहन विश्व का स्थान हरेन, वर्ण हो प्र शृहण्यत कि इस अ क्षांस् वहन का स्थान का

आवस्य विक्री । अन्य रहता कार्य न अन्य ।

प्राणित किला किला किला । अन्य दिन ।

प्राणित किला किला किला अगरमा दिन । अन्य दिन ।

प्राणित किला अगर्मि । अग्रेस अग्रेस । अग्रेस किला आग्रेस ।

प्राणित किला अगर्मि । अग्रेस न वी, विद्या आग्रेस । अग्रेस विक्री ।

प्राणित ।

शिक्षणा । १,०१८ जार हिएक करन इतिकृष्टा । एस घटनामर्थ शिक्षणात हिन्दा । श्रीक व्हार्मक क्ष्मक क्षित जनम । महन है।। विभी जामान क्षान्य । क बामान इन स्वान्त क्षान्य क्षाप्त कर्मा । दिन भगत मन्य । श्रीक क्षाप्त । स्वान्त क्ष्मापुती हेस्स क्षेणा कि विश्वाप्त कि स्विनी क्षात्र स स्विक्षणात्र । स्वान्त क्ष्मा कर कि विश्व क्षित क्षाप्त कर करन स्वर्ण मनियुक्त करन ।। स्वित्र क्ष्माप्त कर मिन्न क्षित क्षाप्त । क्ष्मिक क्ष्मिस क्षम ब्रह्म क्ष्मिक मासूनी वर्ण्य स्विक क्षाप्त । स्वर्णक क्ष्मिक क्ष्मिक

गमनमाथुत्री।

ৰাই॥ যথা পতি তথা পত্নী কি ভূবন বন। নারীর সাবিদ্ধী ধর্ম 🕏 পরায়ণ।। স্বগদনে অসুগদ না হও প্রিরসী। প্রেম্ডেন নানা সে বিশ্ব म क्रम करि । अक तमि क्षावित्राहर तुताहा ध्यममन । अरुपूरि डेनेंब एपाय मनम ।। मधाप मधाप (मधा क्षेत्र उचन । मनमां कि नद श्र क्षि मक्षा अवस्था । भूतरम्ब इरिक्का हेव्य कराई। माध्य । अभूरण करि যাত্রা পেছেছি স্বধন।। মজিসুভ লাল চল ভূপতি নদীপে , নীছঁর विषयि भारति हुई काम ऋष्य । एकिन क्रिक करि के स्ट्रिक जीवन हुईक्रम **खेलमीक देवन क**ांनि वर्णाए प्रा**क्रम**ा क्रांगाका ५ गाम पूर्ण दिवा मि जीनमा द्वाम दहन स्थापाल कर विकास ালক কাল প্রশাস সা अबन समर । ज्या ब्रह्म (सम पुत्र, कहित न ५८ नधान । १८०० (सहित कि.स. व কাৰে সম্পুত্ৰি। সংগ্ৰেছে স্বাস্থ্য স্বাস্থ্য সহ প্ৰাৰ্থী । আৰু প্ৰ रांग्या बाद्य स यांचा भवना कियां करमायन का द्वापाना । पर्व राक्षारभएम बध बरण प्यांबेन गांदु लि। नहां मधान्य । करा का भीवता इत राम मात्रिकांत्रकि स्वीत छ। १५ व्याक्त भारत प्रकृत आकर्षाः प्रक्रिका स्वागीका भारत सार्थन जन्म एका 🖰 💢 🛠 किन्ति भ्राम । व न्यानका विकास केप प्रयानका एकता । अन्यान्यस्ट्र 如:11. 有可 加拿用 1. 地區 有效性对称(20. parts) 5. 物性的 数据的 数据的 কাভাৰে **খনে উংক্তিতা। মা**ধুটোলিক লাভলি ভিলে**ক জীবা** জী বড়নহা লোকে পশিব জীবন। আন্ত নিম্বত্ত শতাধিক বি राहरत । **रक्षण ध्येवल पू**र्ण कारणा कार्डरण । यह मन देन **नाउ जा**र পেদ করে। কন্তু শিরে হামরে করণ সম্বর্গতে । এরি তার্টির আর্থি **छेगा** हत्र का कि कि का कि ता का का ता "

मनमाधुतीत काष्णकानशस्त्र त्रमम अ श्रवाणिने त

विश्वी इन्छ। ज्ञांत्र मृश्हेरिएक, म्हरनत विश्व, खरन नार् गहिएक, वरण जाही महिरता असी त्य दब हत, के जारताल इस नह वागना हत, माधूडीरत धहिरता जाही महि कि माधूडी माधूडी है की रही रेपरा नाहिक कड़ि, बिहुत लान बहुदेत । सी दब दोका सेती के नेपर



निर्माणिक स्थानिक स्थान स्थान

মক্ষমাধুরীর ভবকে গণ্ড। রাখিনী বেছান ভাক আড়া।

िर्देश हरता रह प्रतिस्ति। मुस्यादान लीके शहर कुर्न १ के के रहत हो

यदन विक उराहत्रन, कार्याक्ष कत नवम, मृश्कारक्ष अमन, क्षात्रिक के कार्यक्ष

1.0

कतिरमन। किया अप्रणा मुर्फि मर्गन, किया माधुती धंदलें शिक्किं विनासाल किराम । किया अप्रणा किराम करें लिए माने अप्रणा मिया अप्रणा अपिति वार्ता में विराण करिए वार्गन करिए वार्गन करिए हैं। आद रमधुन, मञ्जीके क्रिया माने करिए एक प्रणा कर्मा निर्माण एक प्रणा निर्माण करिए एक प्रणा कर्मा क्रिया है। वार्ति वार्गिण क्रिया है। विराण वार्गिण करिया है। वार्ति करिया । वार्ति कर्माण क्रमाण करिया करिया है। विकास क्रिया करिया है। विकास क्रमाण करिया है। विकास क्रमाण करिया है। विकास क्रमाण करिया करिया है। विकास क्रमाण करिया करिया करिया करिया वार्ति विराण विश्व करिया करिया करिया करिया करिया वार्ति विराण विश्व करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया विश्व करिया करि

सम्मापूरी शहुर निरम्बर

ि " इक्ष्म नरमा नमः जिल्ला जिल्ला कालका कार्मिन अविशास
भाष्मा नाम क्या। आगोराज कालको विश्वाक स्वारा में शांकर अ उनस्य
देशां प्राप्त के क्ष्मि (क इक्ष्मक । अञ्चलकार अव का व्यव कि का मठीने
प्राप्त यहाँ व विश्वास के। देशां व प्रकार कार्या कार

मानदक्त खटन भिर अमध् इत्यन।

नाजातं। यक स्टार कुकेन्द्रम् अध्यक मोकन । द्वार द्वित्रम् अध्यक नाजात्वः (क्वार क्वार नाजात्वः (क्वार क्वार नाजात्वः (क्वार क्वार क

मनमानुहरी।

ক্ষিক্টি তরাও দাসে ধরা।। শিংব নতি করি যায় জারণা আলয়। শিক্ষাক্টি করয়ে স্ততি জালে যেনা লয়।।

🐡 समन सांधूती अञ्चलक्ष खत करते।

निर्मान शना। अधीन अधिनी स्टब्स स्व मा अर्थनी। अहिलरम् अस्ति। श्रिकानी निर्माद सीम्र अर्थना। असिलरम् असिल्य अस्ति। कियानी निर्माद सीम्र अर्थना। अस्ति। असिल्य अस्ति अस्ति। अस्ति। असिल्य अस्ति अस्ति। अस्ति। असिल्य अस्ति अस्ति। असिल्य अस्ति। असिल्य अस्ति। असिल्य अस्ति। असिल्य अ

মদৰ মাধুৱীধু খগাবেলংগ। বালিনা বিভাস। ভাল একভালা।

ভাগ লড় যন হভাগে মহেশপদে সন্ধ। এথাতনা সার জু সাংঘটিত ওলা জোদ বিস্না ব্যাস্থ্য এগতি, না হয**ুলার ম্**রিস্ ভন্ন। তথা

हरू, भिर हत्तने, क्षि मादवे (हटचा नद्य ।।

उप्रतिभिन्नी। नदरमण तम्, विश्व निरामम्, अखि ध्येमध्य अखि। अविश्व क्रियः, महर भवती, महेष्टक ध्यामान्त्र्य। महिरक क्रियः, कार्याक्रियां, कार्नीकाल क्षेत्रिक व्यवस्था ध्यामान्त्र्य मिक्यां क्षेत्रिक निर्माण विश्व महिर्माण विश्व महिर्माण विश्व महिर्माण विश्व महिर्माण विश्व महिर्माण कर्मित कर्माण कर्मित कर्माण कर्मित कर्माण कर्मित कर्माण कर

अस्तिका अष्, धालान जन्छ, क्या कान्यारश्यक अहे जिल्ला अनित नमन, मानाहि मर मिनिएकता धालाणिया अन्तारका है। अन्तारका क्रिक्ट अन्तारका है। अस्तारका त्राप्ति अन्तारका है। अस्तारका त्राप्ति अन्तारका है। अस्तारका क्रिक्ट क्रिक्ट अन्तारका क्रिक्ट अन्ट अन्तारका क्रिक्ट अन्ट अन्तारका क्रिक्ट अन्तारका क्रिक्ट अन्तारका क्रिक क्रिक्ट अन्तार

अञ्चल मासूची आधारा इतक सर्वेष्ट्रकर । अकिनावहर विद्यान ! कवित्र होत्रा सम्बाह्या।

कार्रार्थः। महनमाधूनी साम शकानिश किति। इरमय महिए देवन एउन शक्षित । अधिवाडकं विकास किर्युगाहिता भागीविस नहीं भारता कृतिस नहमा।।

THE PARTY

क्षिति क्षतिम्बर्गा स्थानी क्षित्रांशामास बाज मसीत पातास प्रकृति बाह बार्ड्स स्थानम महीनका परिद्या का शरून पूर्वत्य स्थानिक च क्षान करित्रमा।

सक्ष तथा विकासिक रहे सूना विकासिक । विकास क किसानी प्रत्येत्रक केला कार्यों ।। किसानी कार्येत्र प्राप्त । क्षितीय कथान थया । उसी स्त्र कार्य प्रतिक समान विक्तान्त्र ।।

TAS MER

বিজ্ঞাপন !

सारी। देवरक ज्य देव कार्य कार्य। देवां कार्य का

মান নিনারণ জান্ত মাখ্রীত প্রতি নগাঁত উল্জি।

ইংগিনী নিনিট । তাল টেকা।

ক্রিনি মাধ্রী, নাগ পাল গতি, তবু নিয়েনী

हा दिरक किटन त्यों ना हरि। बाउत हुता टेल्टर आहा नोडि परंड मेडीत भाग, शिउमाठवा परा, त्यांच अस्टि

THE THE MEN HER SERVICE OF कार्यक्त का का वाक विभाग में पर्य स्त्री क्ये. अर्थ म मा जीय। त्यकि कृदक्तिकी, कृदक्तिकारण सूर्यो, शक्त अपि ॥ गाँव क्रिक्ना क्रिकामां का दला, उर टाउटाटत । अधिक क्षित्र मान्याम, केल एक्स भएत ।। अहे यह विहा करिन (व अनिया बाह्यी निवाहित्य मान, सर्व उत्ति सेन, संडि शर कि देवर बहुक, जिन्द नहर, अर प्रम विराह । अल्डाकार्य विकास सारम, क्या कारत स क्यानगर कर्न, करकार्य विकामशोध्य श्रीम । दिश्विक्तांत्राम, कवि मुक्ति भान, विश्वास का में मुक्ति भागत ए. हती निख कुछ है, करवे देखि माने। एस्ट्री विक भेरत किटलिया, पानारे मुग्यान ॥ हटला बांड पर, मट क्षित त्नदन व्यास पृत्त । एवं यन रक्त त्नदर भूषं हेरे. भूदन्त्र मी मील शर्म शहर, केहिर हो मोहरी, कोल नेहाँ करें। श्रीक नार जिल्हा मा का परण, बाणि देशन प्रमा। कहितक बामन, किटाह स्मिन कितीरम । वंड करह सान, उन्ह दक्षि प्रांत, भारताक र भारत ह शिष्मालव, दगेरे अगान लव, लाड भारक देकरा, क्रिकेगाएवर क्षेत्रक, जीव जात्र अस्ति। मोना उ नाव्हीय पृद्ध समय ७ विहास विशिक्ष स्मित

लेकी । यालोक्स मंद्रा मनिष्य क्रांगिश क्रमादितन, ज मार्व सहरतः, निनि सांबदन शद्द हिस्स बाद स्वतायकः, ক্ৰিবাৰ হইৰেন আৰু ভোলবাৰ কৰি, ভালি নিল দক্ किर्देश सारकण देवन । अने ग्रहे करा कि विरोध मा आरि सुकाष्ट्रा नार विद्यापन ॥ पन आता रूप बार्क, (पक दर मा क्रिआहितात्व के सार्व कर्ण करते थी। वहिं वहिं इसिरी दिना लाखे । बादिन इसि है। बीच कर है जानू The sea fitt the water of the setter. eti esperanti afaraci